दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर
शनिवार, 12 जुलाई 2025
वर्ष: 12 अंक : 210 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/-रूपया

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

अहान पांडे स्टारर सैयारा का नया ...8

रक्षा मंत्री ने एनसीसी के पूर्व कैडेटों के साथ की बैठक

बोले– इनके मार्गदर्शन से राष्ट्रीय विकास के लक्ष्य को मिलेगी गति

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय कैडेट कोर पूर्व छात्र संघ (एनसीसीएए) की पहली शासी परिषद बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि पूर्व कैडेटों के मार्गदर्शन से राष्ट्रीय विकास के लक्ष्य को गति देने में मदद मिल सकती है। एनसीसीएए, एनसीसी के पूर्व छात्रों का एक प्रमुख संघ है. एनसीसीएए, एनसीसी के पूर्व छात्रों का एक प्रमुख संघ है, जिसका उद्देश्य पूर्व और वर्तमान कैडेटों को एक मंच पर लाकर राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को बढ़ाते हुए दुनिया के सबसे बड़े वर्दीधारी युवा संगठन के कार्य को आगे बढ़ाना है।

रक्षा मंत्री ने एनसीसी कैडेट्स को लेकर कही ये बात

उन्होंने कहा कि एनसीसी इन मूल्यों को उन युवाओं में स्थापित करती है जो एनसीसी से जुड़े हैं। हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि ये मूल्य उन लोगों तक पहुंचे जो एनसीसी में शामिल नहीं हो सके।

मायावती ने शुरू की मिशन 2027 की तैयारी

संगठन में किया बड़ा फेरबदल, चार मुख्य मंडल प्रभारी नियुक्त

अलीगढ़। मिशन 2027 को सफल बनाने में जुटी बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को संगठन में फेरबदल किया है। चार मुख्य मंडल प्रभारी बनाए गए हैं। अब तक दो मंडल प्रभारी ही काम देखते थे। कन्नौज के निवासी व पूर्व एमएलसी नौशाद अली, आगरा के विक्रम सिंह जाटव, अलीगढ़ के अरविंद कुमार आदित्य व कासगंज के अनिल कुमार बघेल अलीगढ़ मंडल के मुख्य प्रभारी होंगे। इनके अलावा अर्जुन स्वामी व छत्रपति शिवाजी निमकर मंडल प्रभारी होंगे। ये जिले के संगठन को देखेंगे। वहीं जिस समय संगठन के फेरबदल का फोल्डर आया था, उस समय जिलाध्यक्ष सुरेश गौतम रामघाट रोड कैलाश अपार्टमेंट स्थित अपने आवास पर जिला कार्यकारिणी की बैठक ले रहे थे। वे विधानसभा चुनाव फतेह करने के लिए पदाधिकारियों के साथ गहन मंथन में जुटे थे। विधानसभा बार सेक्टर व बूथ कमेटियों की समीक्षा चल रही थी। तभी आगरा से आए नौशाद अली ने अतरौली विधानसभा क्षेत्र के गांव मदापुर में बूथ कमेटियों के गठन के लिए उक्त गांव में ही चलने का निर्देश दिए। गौतम ने बताया है कि तब तक जाटव को संगठन में हुए फेरबदल की जानकारी नहीं थी। इसके बाद उन्होंने स्वयं मंडल के मुख्य प्रभारियों की जानकारी दी। कार्यकर्ताओं ने इन पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया। उसके बाद चुनिंदा पदाधिकारियों के साथ मदापुर पहुंचे। यहां बूथ स्तर की बैठक में कमेटी का गठन किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के कार्यकाल में हुए विकास कार्य व अब तक बसपा द्वारा एससी, पिछड़ा, युवा बेरोजगारों व किसानों को लेकर किए जा रहे संघर्ष व उत्पीड़न के विरुद्ध आंदोलन प्रदर्शन की जानकारी दी।

इस खिलाड़ी ने 34 साल की उम्र में लिया इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास, खेल चुके हैं 85 अंतर्राष्ट्रीय मैच

आयरलैंड क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज पीटर मूर ने 34 साल की उम्र में ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में तीनों फॉर्मेट में मिलाकर कुल 85 मैच खेले। बता दें कि, आयरलैंड के इस बड़े खिलाड़ी ने इस टीम के लिए अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू नहीं किया था। उन्होंने आयरलैंड के लिए सिर्फ टेस्ट फॉर्मेट ही खेला।

वहीं, आयरलैंड के पीटर मूर ने अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच उसी देश के खिलाफ खेला, जिसके लिए उन्होंने डेब्यू किया था। जी हां इस बल्लेबाज ने दो देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेला। 2 फरवरी 1991 को मूर का जन्म जिम्बाब्वे की राजधानी हरारे में हुआ था।

पीटर मूर ने अपना अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू 26 नवंबर 2014 को जिम्बाब्वे के लिए खेलते हुए बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। इसके बाद उन्होंने जिम्बाब्वे के लिए ही 2016 में टेस्ट और टी20 में डेब्यू किया।

2019 में उन्हें जिम्बाब्वे का उपकप्तान भी नियुक्त किया गया, लेकिन इसके बाद उनके करियर में एक नया मोड़ आया। पीटर मूर ने आयरिश पासपोर्ट मिलने के बाद आयरलैंड क्रिकेट टीम में जगह बना ली। उन्होंने ढाका में साल 2023 में 32 साल की उम्र में आयरलैंड के लिए अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया।

दिखाइए कोई तस्वीर जिसमें भारत को नुकसान हुआ हो

ऑपरेशन सिंदूर पर एनएसए अजित डोभाल का बड़ा बयान, कहा– हमारा एक कांच भी नहीं टूटा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने स्वदेशी रक्षा तकनीक विकसित करने के महत्व पर जोर दिया और साथ ही पाकिस्तान के भीतर किए गए एक बेहद सटीक आतंकवाद-रोधी अभियान का ब्यौरा भी साझा किया। चेन्नई में आईआईटी मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में बोलते हुए, डोभाल ने इस अभियान की सफलता की सराहना की और रक्षा क्षमताओं में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता को रेखांकित किया। इस अभियान का जिक्र करते हुए, डोभाल ने खुलासा किया कि भारत ने सीमावर्ती क्षेत्रों से दूर पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में स्थित नौ आतंकवादी ठिकानों की पहचान की और उन पर सफलतापूर्वक हमला किया। डोभाल ने इस अभियान को भारत की खुफिया जानकारी और संचालन संबंधी सटीकता का प्रदर्शन बताते हुए कहा कि हमने कोई भी निशाना नहीं छोड़ा। हमने इसके अलावा कहीं और निशाना नहीं लगाया। यह इतना सटीक था कि हमें पता था कि कौन कहाँ है। उन्होंने आगे कहा कि पूरा ऑपरेशन सिर्फ 23 मिनट में अंजाम दिया गया, जिससे गलती की कोई गुंजाइश नहीं रही और कोई अनचाहा नुकसान नहीं हुआ। भारत के रणनीतिक अभियानों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने वाले आलोचकों को संबोधित करते हुए उन्होंने चुनौती दी। आप मुझे एक भी तस्वीर बताइए जिसमें भारत को हुआ कोई नुकसान दिखाई दे। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया कवरेज पर कटाक्ष करते हुए, डोभाल ने बताया कि कैसे द न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे प्रमुख प्रकाशनों ने इस घटना पर विस्तार से लिखा था, लेकिन उपलब्ध उपग्रह चित्रों से कुछ और ही हकीकत सामने आई। उन्होंने जोर देकर कहा, तस्वीरों में 10 मई से पहले और बाद में पाकिस्तान के 13 हवाई अड्डे दिखाई दे रहे थे – भारतीय ठिकानों पर एक भी खरोंच नहीं। यही सच्चाई है। डोभाल ने भारत की रक्षा प्रणालियों में इस्तेमाल होने वाले स्वदेशी घटकों का जिक्र करते हुए ब्रह्मोस का भी जिक्र किया। उन्होंने रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भरता के लिए और ज्यादा राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का आह्वान करते हुए कहा कि हमें इस बात पर गर्व है कि इसमें कितनी स्वदेशी सामग्री शामिल है। एक अधिक व्यक्तिगत और दार्शनिक भाव से, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने भारत की सभ्यता यात्रा का उल्लेख किया और युवा पीढ़ी से अपने पूर्वजों के संघर्षों पर चिंतन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे देश और सभ्यता से ताल्लुक रखते हैं जिसे हजार सालों तक संकटों, रक्तपात और अपमान का सामना करना पड़ा। हमारे पूर्वजों ने इस सभ्यता और राष्ट्र के विचार को जीवित रखने के लिए अपमान, अभाव और कष्ट सहे।

बंगाली बोलने से कोई बांग्लादेशी नहीं हो जाता...

444 मजदूरों की हिरासत पर भिड़ी बीजेपी और टीएमसी

कोलकाता। ओडिशा सरकार द्वारा 444 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लेने के कदम ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के साथ तीखा विवाद खड़ा कर दिया है, जिसने दावा किया है कि उनमें से ज्यादातर बंगाली भाषी प्रवासी मजदूर थे। पिछले कुछ दिनों से सुलग रहा यह मुद्दा कलकत्ता उच्च न्यायालय तक भी पहुंच गया है, जिसने हिरासत में लिए गए लोगों पर ओडिशा सरकार से कड़े सवाल पूछे हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब ओडिशा सरकार ने अवैध प्रवासियों पर नकेल कसने के लिए एक विशेष अभियान के तहत झारसुगुड़ा जिले में 444 लोगों को हिरासत में लिया। खुफिया जानकारी में जिले में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिकों की मौजूदगी का संकेत मिला था। ओडिशा के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि वैध निवास या नागरिकता दस्तावेज उपलब्ध न करा पाने के कारण उन्हें हिरासत में लिया गया, तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस किसी समुदाय या क्षेत्र को निशाना नहीं बना रही है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि हिरासत में लिए गए लोगों में बंगाल के नादिया, मुर्शिदाबाद, मालदा, बीरभूम, पूर्व बर्धमान और दक्षिण 24 परगना जैसे जिलों के 200 से ज्यादा प्रवासी मजदूर शामिल हैं। बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी ने आरोप लगाया है कि छापे खास तौर पर उन कॉलोनियों में मारे गए जहाँ बंगाली भाषी मजदूर रहते हैं। टीएमसी के राज्यसभा सांसद समीरुल इस्लाम ने ट्वीट करते हुए कहा कि ओडिशा में बंगाली भाषी प्रवासी मजदूरों पर अत्याचार जारी है, भाजपा सरकार ने हाल ही में बंगाल के जिलों के 200 से ज्यादा प्रवासी मजदूरों को बांग्लादेशी नागरिक होने के संदेह में हिरासत में लिया।

6 साल की मासूम से 45 साल के अफगानी ने की शादी, भड़क उठा तालिबान, उठाया हैरान करने वाला कदम

45 वर्षीय शख्स ने छह साल की बच्ची को उसके पिता से खरीदकर उसे अपनी दुल्हन बना लिया है। इस घटना को लेकर दुनियाभर में हंगामा मच गया है। कई लोग इसका विरोध कर रहे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस व्यक्ति ने देश के मरजाह जिले में हुई इस शादी के लिए बच्ची के परिवार को पैसे दिए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, दो महिलाओं के साथ पहले से ही शादीशुदा व्यक्ति ने देश के मरजाह जिले में हुई इस शादी के लिए बच्ची के परिवार को पैसे दिए। जब तालिबान प्रशासन को इसकी जानकारी मिली, तो वे तुरंत हरकत में आए। उन्होंने दूल्हे और बच्ची के पिता दोनों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि एक और चौंकाने

जानें क्या है पूरा मामला

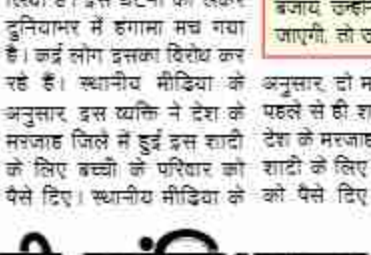

दक्षिणी अफगानिस्तान में, लड़की को एक 45 वर्षीय व्यक्ति से जबरन शादी करने के लिए मजबूर किया गया, जो पहले से ही दो महिलाओं से शादीशुदा है। गौरतलब है कि लड़की के पिता ने शादी के बदले में उस व्यक्ति से पैसे लिए। दूल्हे ने इस व्यवस्था के तहत परिवार को पैसे दिए। अमेरिका स्थित अफगान समाचार एजेंसी **Amu-tv** के अनुसार, शादी की तस्वीरें देखकर तालिबान भयभीत हो गया और उसने उस व्यक्ति को बच्ची को अपने घर ले जाने से रोक दिया। इसके बजाय, उन्होंने उससे कहा कि जब लड़की नौ साल की हो जाएगी, तो उसे उसके घर ले जाया जा सकता है।

उम्मीद है कि तेजस्वी और राहुल गांधी जैसे नेताओं को सद्बुद्धि आएगी. ..गौरव भाटिया का विपक्ष पर तंज

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर पर रोक नहीं लगाई है और यह राजद, कांग्रेस जैसे सभी अराजकतावादी दलों के लिए एक कड़ा संदेश है, जिनका भारत के संविधान और भारत के चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं में कोई विश्वास नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रक्रिया जारी रखने की अनुमति दी। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता के लिए यह प्रक्रिया भारत के चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है।

विपक्ष पर तंज कसते हुए भाटिया ने कहा कि हमें उम्मीद है कि तेजस्वी यादव और राहुल गांधी जैसे नेताओं को सद्बुद्धि आएगी और वे आत्मनिरीक्षण करेंगे और फैसले का सम्मान करेंगे। प्रत्येक नागरिक और भाजपा सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि भारत में लोकतंत्र फलता-फूलता रहे। वहीं, भाजपा प्रवक्ता डॉ. गुरु प्रकाश पासवान ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद लोगों को बरगलाने के लिए उठाए जाने वाले सवाल बंद होने चाहिए।

ओडिसा में राहुल गांधी की संविधान बचाओ रैली

बोले– जल, जंगल, जमीन चुराना चाहती है भाजपा

भुवनेश्वर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को ओडिशा में संविधान बचाओ रैली नामक एक जनसभा में भाग लिया। यह सभा पार्टी द्वारा समर्थन जुटाने और महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा है। इस दौरान राहुल ने भाजपा पर जमकर वार किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार का बस एक ही काम है – राज्य की गरीब जनता के हाथों से ओडिशा की संपत्ति छीनना। पहले बीजद सरकार यही करती थी और अब भाजपा सरकार यही कर रही है। एक तरफ ओडिशा की गरीब जनता, दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, किसान और मजदूर हैं, तो दूसरी तरफ 5–6 अरबपति और भाजपा सरकार है। यह लड़ाई जारी है। ओडिशा की जनता के साथ मिलकर कांग्रेस कार्यकर्ता ही इस लड़ाई को जीत सकते हैं, कोई और नहीं। राहुल ने आगे कहा कि मैं कल बिहार में था। जैसे महाराष्ट्र में चुनाव चोरी की गई, वैसी ही कोशिश बिहार में भी हो रही है। चुनाव चोरी के लिए चुनाव आयोग ने एक नई साजिश रची है। चुनाव आयोग भाजपा की शाखा की तरह काम कर रहा है, अपना काम नहीं कर रहा। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जुड़े। उन्होंने कहा कि कोई नहीं जानता कि ये मतदाता कौन थे और कहाँ से आए। हमने चुनाव आयोग से कई बार मतदाता सूची और वीडियोग्राफी उपलब्ध कराने को कहा। लेकिन चुनाव आयोग ने हमें ये नहीं दिए। वे बिहार में भी वही चोरी करने जा रहे हैं जो महाराष्ट्र में की गई थी। मैं कल बिहार गया था और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के नेताओं के साथ मैंने कहा कि हम चुनाव आयोग और भाजपा को बिहार चुनाव की चोरी नहीं करने देंगे। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अडानी ओडिशा सरकार चलाते हैं, अडानी नरेंद्र मोदी चलाते हैं। जब ओडिशा में जगन्नाथ यात्रा निकलती है, जब जगन्नाथ यात्रा के रथ खींचे जाते हैं, तो लाखों लोग इसे देखते हैं और इसके पीछे चलते हैं। फिर एक नाटक होता है – अडानी और उनके परिवार के लिए रथ रोक दिए जाते हैं। इससे आपको ओडिशा सरकार के बारे में सब कुछ समझ आ जाएगा। यह ओडिशा सरकार नहीं है, यह अडानी जैसे 5–6 अरबपतियों की सरकार है। इसका लक्ष्य आपकी जमीन, जंगल और भविष्य को लूटना है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये आपसे जल, जंगल, जमीन चुराना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि कुछ नया शुरू हो गया है। ओडिशा में 40,000 से ज्यादा महिलाएं गायब हो चुकी हैं। आज तक पता नहीं चला कि ये महिलाएं कहाँ गईं। यहाँ हर रोज महिलाओं पर अत्याचार होता है।

थप्पड़बाज शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ के खिलाफ शुरू हुआ एक्शन

मुंबई। पुलिस ने शिवसेना (एकनाथ शिंदे) विधायक संजय गायकवाड़ के खिलाफ आकाशवाणी विधायक निवास पर एक कैंटीन ठेकेदार की पिटाई करने के आरोप में कार्रवाई शुरू कर दी है। संजय गायकवाड़ के खिलाफ गैर-संज्ञेय अपराध (एनसी) दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के दो दिन बाद हुई है जिसमें संजय गायकवाड़ बासी खाने को लेकर कैंटीन संचालक की पिटाई करते हुए दिखाई दे रहे थे। गायकवाड़ ने दावा किया कि खाना – खासकर दाल – घटिया क्वालिटी का था और खाने के तुरंत बाद उनकी तबियत खराब हो गई। बुलढाणा से दो बार विधायक रहे गायकवाड़ कथित तौर पर उन्हें परोसी गई दाल और चावल की घटिया क्वालिटी से नाराज होकर कैंटीन में घुस गए और कर्मचारियों से भिड़ गए। वायरल वीडियो में गायकवाड़ कैंटीन संचालक को डांटते, बिल देने से इनकार करते और बिलिंग काउंटर पर बैठे एक कर्मचारी के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं।

कार्यालय : क्षेत्र पंचायत- शोहरतगढ़, जनपद- सिद्धार्थनगर

पत्रांक 446/2–लेखा/अल्पा निविदा/2025–26 दिनांक 08–07–2025

अल्पकालीक निविदा सूचना

राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त आयोग योजनान्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु क्षेत्र पंचायत शोहरतगढ़ के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों के साथ–साथ जिला पंचायत/सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग/ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग व अन्य सहकारी विभागो के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित परियोजनाओं पर कार्य कराये जाने हेतु निविदा दिनांक 09.07.2325 से दिनांक 24.07.2005 तक अपरान्ह 2.00 बजे तक अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में क्षेत्र पंचायत शोहरतगढ़ के निविदा बाक्स में डाली जायेगी। निविदा प्रपत्र को दिनांक 24.07.2025 को अपरान्ह 3.00 बजे समिति के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में खोला जायेगा। अधिक जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस में क्षेत्र पंचायत शोहरतगढ़ के नोटिस बोर्ड पर चस्पा निविदा सूचना/पटल सहायक से विस्तृत जानकारी भी प्राप्त कर सकते है। निविदा हेतु विवरण निम्नवत है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	आगणन की धनराशि	निविदा की धनराशि (जी0एस0टी0 सहित)	2 प्रतिशत जमानत धनराशि	टेण्डर फार्म मूल्य जी0एस0 टी0 सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 प्रतिशत जमानत की धन0 (रू0 में) निविदा स्वीकृति के उपरान्त 7 दिन के अन्दर
1	2	3	4	5	6	7	8
क–	राज्य वित्त आयोग योजना से संबंधित कार्यकारिणि						
1	राजकीय उ०मा०वि० नीबी मकडौर शोहरतगढ़ में छत, शौचालय,खिड़की,दरवाजा आदि कर मरम्मत कार्य भाग–1	974000.00	974000.00	19480	900	90 दिन	77920.00
2	राजकीय उ०मा०वि० नीबी मकडौर शोहरतगढ़ मे शौचालय खिडकी दरवाजा आदि कर मरम्मत कार्य भाग–2	551003.00	551003.00	11020	900	90 दिन	44080.00
3	बौढ़हारी पंचराम के घर होते हुए काली जी के स्थान तक इण्टरलाकिंग कार्य।	959000.00	959000.00	19980	900	90 दिन	79920.00
4	हतवा शोभनाथ के घर से अनवर अली के खेत तक इण्टरलाकिंग कार्य।	999000.00	999000.00	19980	900	90 दिन	79920.00
5	हतका हरिद्वार के घर से घोल्लर के बाग व सिद्दीक के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	904000.00	904000.00	18080	900	90 दिन	72320.00
6	लेदवा मे दिलगजन के घर से शिवबालक के खेत तक इण्टरलाकिंग कार्य।	999000.00	999000.00	19980	900	90 दिन	79920.00
7	क्षेत्र पंचायत शोहरतगढ़ के अन्तर्गत विभिन्न 40 स्थानो पर सोलर लाईट की स्थापना।	835000.00	835000.00	16700	900	90 दिन	66800.00
8	क्षेत्र पंचायत शोहरतगढ़ के अनतर्गत विभिन्न 40 स्थानो पर सोलर लाईट की स्थापना।	835000.00	835000.00	16700	900	90 दिन	66800.00
9	खुनुवा मुख्य मार्ग से चिनकू के खेत होते हुए रामसेवक के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	999000.00	999000.00	19980	900	90 दिन	79920.00
10	घोड़ार में राजकुमार के घर से दुर्गा मन्दिर होते हुए ब्रम्हानन्द के खेत तक इण्टरलाकिंग कार्य।	805000.00	805000.00	16100	900	90 दिन	64400.00
11	घोडार मे गरीब के घर से तौलन के घर होते हुए रम्मा के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	475000.00	475000.00	9500	900	90 दिन	38000.00
12	विकास खण्ड कार्यालय गेट के सामने एव आंगनबाड़ी के गेट के सामने कैटल गार्ड का निर्माण कार्य।	998000.00	998000.00	19960	900	90 दिन	79840.00
13	मलगवा पुल से सामुदायिक शौचालय तक इण्टरलाकिंग कार्य।	999000.00	999000.00	19980	900	90 दिन	79920.00
14	रामवृक्ष के घर से बरसाती के घर तक इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	802000.00	802000.00	16040	900	90 दिन	54160.00
ख–	केन्द्रीय वित्त आयोग योजना (टाइड) कार्यो का विवरण–						
1	प्रा०वि०परिगवा में आर्से वाटर प्लाण्ट की स्थापना।	745000.00	745000.00	14900	900	90 दिन	59600.00
2	प्रा०वि० कोईरीडीहा में आर्से वाटर प्लाण्ट की स्थापना।	745000.00	745000.00	14900	900	90 दिन	59600.00
3	प्रा०वि० मदरहना उर्फ दत्तपुर में आर्से वाटर प्लाण्ट की स्थापना।	745000.00	745000.00	14900	900	90 दिन	59600.00
4	करमा के टोला सेहरिया पोखरे से इम्तियाज के खेत तक नाली निर्माण कार्य।	999000.00	999000.00	19980	900	90 दिन	79920.00
5	सामुदायिक शौचालय से गांव के दक्षिण कुला तक पक्की नाली निर्माण कार्य।	999000.00	999000.00	19980	900	90 दिन	79920.00
6	घरमरन के घर से बिचली पुलिया तक नाली निर्माण कार्य।	999000.00	999000.00	19980	900	90 दिन	79920.00
ग–	केन्द्रीय वित्त आयोग योजना (अनटाइड) कार्यो का विवरण–						
1	मदरहना उर्फ दत्तपुर के टोला चन्दनपुर में नन्दलाल के घर होते हुए पाद के बाहर तक नाली एवं इण्टरलाकिंग कार्य।	999000.00	999000.00	19980	900	90 दिन	79920.00
2	मदरहना उर्फ दत्तपुर में मेन सड़क से प्रभु के घर तक नाली एवं इण्टरलाकिंग कार्य।	999000.00	999000.00	19980	900	90 दिन	79920.00
3	महली में मुख्य मार्ग से राजू प्रजापति के खेत तक इण्टरलाकिंग कार्य।	999000.00	999000.00	19980	900	90 दिन	79920.00
4	दहियाड़ के टोला लौंशा में धनश्याम के डाड़े वाल घर से चाचा के खेत वाले पुलिया तक नाली निर्माण कार्य।	589000.00	589000.00	11780	900	90 दिन	47120.00

नियम व शर्त

1 प्रत्येक कार्य का पूर्ण करने की अनुमन्य अवधि कालम (7) में दर्शाया गया है।

2 निविदा प्रपत्र शुल्क जो उक्त तालिका वो कालन नं (6) में अंकित धनराशि क्षेत्र निधि खाता सं० 4753000100000233 बैंक का नाम पंजाब नैशनल बैंक शोहरतगढ़ IFSC Code PUNB0475300 में NEFT/RTGS के माध्यम से जमा करनी होगा तथा निविदा के साथ 62 (दो) प्रतिशत धरोहर/जमानत धनराशि जो कॉलम नं (5) में अंकित धनराशि टेण्डर फार्म जमा करते समय तथा 08 प्रतिशत धरोहर/जमानत धनराशि जो कॉलम नं०(8) में अंकित है को टेण्डर स्वीकर होने के एक सप्ताह के अन्दर किसी राष्ट्रीयकृत बैंक से एफ0डी0 एवं एनएस०सी०/डाकघर बचत मत्र के रूप में खण्ड विकास अधिकारी शोहरतगढ़ के नाम से बंधक उपलब्ध कराते हुए अनुबंध कराना अनिवार्य होगा। धरोहर/जमानत धनराशि जमा न करने की दशा में टेण्डर को निरस्त कर दिया जायेगा।

3 प्रत्येक दशा में कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाना अनिवार्य होगा।

4 कार्य किसी अन्य को कदापि हस्तान्तरित नहीं किया जायेगा, निविदा स्वीकृत के बाद यदि हस्तान्तरित कर स्थिति प्रकाश में आया है,तो अनुबन्ध निरस्त कर दिया जायेगा।

5 निविदा खोलने की कार्यवाही अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में गठित समिति के सदस्यों के द्वारा निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी।

6 निर्माण नियमावली –1984 के अनुसार निर्माण का परिवर्तन/परिवर्धन/निरस्तीकरण का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी/क्षेत्र पंचायत शोहरतगढ़ द्वारा बिना कोई कारण बताये अथवा बिना नोटिस दिये किसी भी निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार निहित होगा।

7 अपूर्ण अथवा सही ढंग से निविदा प्रपत्र न भरी हुई निविदाये स्वीकार नही किया जायेगा।

8 टेण्डर स्वीकृत होने के एक सप्ताह के भीतर अनुबन्ध प्रपत्र जमा करना अनिवार्य है अन्यथा स्वीकृत टेण्डर बिना नोटिस के निरस्त कर दिया जायेगा।

9 खण्ड विकास अधिकारी/अध्यक्ष क्षेत्र पंचायत शोहरतगढ़ को विशेष परिस्थितियो में आवश्यकतानुसार दण्ड आरोपित करने अथवा बिना कोई दण्ड आरोपित किये समय वृद्धि करने का अधिकार होगा।

10 ठेकेदार को अवर अभियन्ता (ग्रा0अभि0वि0) के निर्देशानुसार कार्य करना होगा। निर्माण कार्य का निरीक्षण खण्ड विकास अधिकारी/अध्यक्ष आदेशानुसार भुगतान बिल से कटौती किया जायेगा।

11 यह कि 02 प्रतिशत धरोहर राशि निविदा के साथ जमा की जायेगी यदि ठेकेदार द्वारा पूर्ण जमानत धनराशि नहीं जमा किया जाता है तो निविदा अस्वीकृत कर दिया जायेगा।

12 जमानत धनराशि तब तक वापस नहीं की जायेगी जबकि निर्माण कार्य पूरा होने के दिनांक से छः माह की अवधि समाप्त न हो जाय या ठेका पूरा होने के बाद अगली वर्षा ऋतु व्यतीत न हो जाय इनमें से जो पश्चातवर्ती हो।

13 किसी विवाद की दशा मे खण्ड विकास अधिकारी/अध्यक्ष क्षेत्रायत शोहरतगढ़ का निर्णय अन्तिम होगा जो उभय पक्ष को मान्य होगा।

14 ठेकेदार के बिल से शासन के निर्देशानुसार देय करों (आयकर एवं जीएसटी० तथा लेबर शेष) का नियमानुसार कटौती किया जायेगा, जो ठेकेदार को मान्य होगा।

15 उपरोक्त निर्माण कार्यो का भुगतान क्षेत्र पंचायत शोहरतगढ़ के अर्न्तगत प्राप्त/उपलब्ध धनराशि से किया जायेगा जो ठेकेदार को मान्य होगा।

16 निविदा के साथ निविदादाता को नियमानुसार 100.00 रुपये के स्टॉम्प पेपर पर हस्ताक्षर एंव रसीदी टिकट लगाकर देना होगा।

17 स्टीमेट में कन्टेक्टर प्राफिट के अतिरिक्त बिलो टेण्डर डालने पर ठीकेदार समिति के समक्ष उपस्थिति होकर स्पष्ट करना होगा कि किस प्रकार विशीष्टियों के अनुसार किस प्रकार कराये जायेगें। समिति के संतुष्ट होने पर निविदा स्वीकृत किया जायेगा।

18 निविदा के साथ जिलाधिकारी द्वारा जारी हैसियत एवं चरित्र प्रमाण पत्र 03 वर्ष का आयकर पत्र, पैनकार्ड, जी०एस०टी० पंजीयन प्रमाण, अनुभव प्रमाण पत्र तथा जमानत की 2 प्रतिशत एवं निविदा शुल्क का जमा पर्ची स्व प्रमाणित छाया प्रतिया आदि वांछित अभिलेख दिनांक 24.07.2025 तक अपरान्ह 2.00 बजे तक वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में क्षेत्र पंचायत शोहरतगढ़ के निविदा बाक्स में डाली जायेगी।

19 सेवा नियमावली 1970 के अन्तर्गत अधिकारी/कर्मचारी/मा0 प्रमुख/ग्राम प्रधान/क्षेत्र पंचायत सदस्य के निकट सम्बन्धी न होने का 10.00 रुपये के स्टाम्प पेपर पर नोटरी जमा करना अनिवार्य होगा।

20 राज्य बार काउन्सिल में पंजीकृत अधिवक्ता टेण्डर/आवेदन के लिए पात्र नही होगें।

21 ठेकेदार द्वारा अनुबन्ध कराने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा। अनुबन्ध के पूर्व किया गया कार्य स्वतःश्रमदान घोषित हो जायेगा।

अवर अभियन्ता (ग्रा0अ0वि0) क्षेत्र पंचायत- शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर	**खण्ड विकास अधिकारी क्षेत्र पंचायत- शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर**	**प्रमुख क्षेत्र पंचायत- शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर**

डीएम व एसपी द्वारा संयुक्तरूप से श्रावण मास/कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत बिड़हरघाट का स्थलीय निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार व पुलिस

अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा श्रावण मास के शुभारंभ अवसर पर कावड़ यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा व कानून व्यवस्था के दृष्टिगत संयुक्तरूप से तहसील धनघटा अंतर्गत बिड़हरघाट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारीद्वय द्वारा घाट पर साफ–सफाई, कावड़ यात्रियों के आवागमन के रास्तों पर यातायात व्यवस्था का सुचारू संचालन, सड़क सुरक्षा, अबाधित विद्युत आपूर्ति एवं सुरक्षित आवागमन की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए ताकि कावड़ियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। डीएम व एसपी द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत कावड़ यात्रियों के आवागमन मार्ग पर सतर्कता के साथ ड्यूटी व निगरानी करने हेतु निर्देशित किया गया जिससे कि आने जाने वाले कावड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो व कावड़ यात्रियों की हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराने आदि के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा श्रावण मास के दृष्टिगत जनपद में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में भ्रमण करते रहने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी धनघटा डॉ0 सुनील कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी धनघटा प्रियम राजशेखर पाण्डेय, तहसीलदार धनघटा राम जी, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग आर के पांडेय, अधिशासी अभियंता विद्युत राजेश कुमार, नायब तहसीलदार धनघटा हरेराम यादव, खंड विकास अधिकारी हैसर आर पी पांडेय सहित संबंधित राजस्व अधिकारी/कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

सभी दुकानें नवनिर्मित बूचड़ मण्डी/मीट काम्प्लेक्स में अविलम्ब जायें

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ के श्री राम जानकी मंदिर परिसर में कस्बे के अन्दर मीट–मांस खुलेआम बेचने को लेकर किये गये आवाहन पर शुक्रवार को समस्त हिन्दू जनमानस का एकत्रीकरण हुआ। संज्ञान में आया की परमपूज्य मुख्यमंत्री के निर्देशों का पालन करते हुए शासन व प्रशासन ने मीट–मांस की दुकान सावन माह पर आज पूर्णतया बन्द करवाया है। शासन व प्रशासन से अनुरोध किया कि इसकी पुनरावृत्ति न हो। सभी दुकानें नगर पंचायत शोहरतगढ़ द्वारा नवनिर्मित बूचड़ मण्डी/मीट काम्प्लेक्स में अविलम्ब जाये। शासन प्रशासन का आभार प्रकट करते हुए लोकतांत्रिक तरीके से हो रहे विरोध प्रदर्शन को स्थगित किया गया। जिसमें राजेन्द्र बाबा, शिवशक्ति शर्मा, शैलेन्द्र कौशल, मनोज कुमार गुप्ता, राम सेवक गुप्ता, किशोरी लाल, राजू कसौधन, महेश कसौधन, दिलीप वर्मा सहित सनातनी लोग मौजूद रहें।

विधायक ने श्रावण मास में नॉन–वेज दुकानों को बन्द करने हेतु डीएम व एसपी को अनुरोध के साथ लिखा पत्र

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। लोकप्रिय विधायक विनय वर्मा ने श्रावण मास में शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में नॉन–वेज दुकानों को बन्द करने हेतु डीएम व एसपी को अनुरोध किया। विधायक ने बताया कि 11 जुलाई दिन शुक्रवार को श्रावण मास शुरू हो रहा है। हिन्दू धर्म में यह महीना अत्यन्त पवित्र माना जाता है। लोग पूरे महीने प्रभु शिव की आराधना करते हैं और लाखों, करोड़ों की संख्या में लोग कावंड लेकर यात्रा पर जाते हैं। इस माह में सनातन परम्परा से जुड़े लोग मांसाहार का त्याग करते हैं और धार्मिक अनुष्ठानों में संलग्न रहते हैं। उन्होंने बताया कि शोहरतगढ़ नगर पंचायत क्षेत्र, बढ़नी नगर पंचायत क्षेत्र में शासन प्रशासन से बार–बार अनुरोध के बावजूद नॉन वेज की दुकानों को बन्द करने का कोई निर्णय नहीं किया गया। जबकि इस सम्बन्ध में स्थानीय लोगों द्वारा कई बार जिलाधिकारी, एसपी, एसडीएम और सीओ सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार मौखिक और लिखित रूप से अवगत कराया गया है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई और मामले को सभी अधिकारी एक दूसरे पर टाल देते हैं। वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस की मिलीभगत से पैसे का लेनदेन करके कई दुकानों को खुला रखा जाता है। जबकि कुछ दुकानें दिखावटी तौर पर बन्द कर दी जाती हैं। इसलिए विधायक विनय वर्मा ने डीएम व एसपी से क्षेत्र की जनता की तरफ से अनुरोध करते हुए श्रावण मास के दौरान शोहरतगढ़ नगर पंचायत क्षेत्र, बढ़नी नगर पंचायत और पूरे शोहरतगढ़ विधानसभा में नॉन–वेज दुकानों को श्रावण मास में बन्द रखने का आदेश जारी किया जाये। इन दुकानों के खुले रहने से स्थानीय लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं जिससे सामाजिक सद्भाव पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यदि इस विषय पर समय रहते कार्यवाई नहीं की गई और जनभावनायें भड़कती हैं, तो इसका समस्त दायित्व जिला प्रशासन का होगा। विधायक ने डीएम व एसपी को एक साथ यह पत्र लिखते हुए बिना टालमटोल के समन्वय के साथ जनभावना के अनुरूप तुरन्त कार्यवाई हो सके। वहीं मुख्यमंत्री जी का स्पष्ट निर्देश भी है कि श्रावण माह में नॉन वेज की दुकानें बन्द होना चाहिए और किसी भी तरह से श्रद्धालुओं की भावना आहत न हो। आशा के साथ विधायक ने डीएम व एसपी उक्त संवेदनशील मुद्दे पर शीघ्र कार्यवाई करेंगे।

नपा बांसी प्रताप नगर मोहल्ले में नवनिर्मित नाली हफ्ते भर में ही टूट गया, जिम्मेदार मौन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी/सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद बांसी के प्रताप नगर मोहल्ले में बान्वे मेडिकल स्टोर के गली में नवनिर्मित नाली हफ्ते भर में ही टूट गया। आपको बता दें कि नगर पालिका परिषद बांसी में हो रहे कार्यों में कमीशन का दिमक लग गया है। कुछ दिन पहले बने नाली अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है।

जिसको लेकर कुछ दिन पूर्व नाली का निर्माण कराया गया था। मोहल्ला वासियों ने कहा कि नगर पालिका बांसी में भष्ट्राचार का बोलबाला है। नगर पालिका ईओ व नव अध्यक्ष सहित ठेकेदार निर्माण कार्यों में मालामाल हो रहे हैं। जहां एकाध घन्टे बारिश के चलते नगर में तहसील, ब्लॉक, कोतवाली रोड सहित नगर क्षेत्र में तमाम जगह जल जमाव हो जा रहा है। वही प्रताप नगर में हो रहे नाली निर्माण एक हफ्ते में ही टूट गया। सूत्रों की माने तो नगर पालिका में केवल भष्ट्राचार का बोलबाला है, जो भी कार्य होता है तो उसमें जिम्मेदार अच्छा कमीशन लेकर कार्य को उसी हाल पर छोड़ दिया गया। मोहल्ला वासियों के अनुसार बताया कि नाली निर्माण अभी एक हफ्ता भी नहीं हुआ और नाली टूट गया। अब तो बरसात में जलजमाव झेलना ही पड़ेगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इटवा पुराने भवन को ध्वस्त कर कराया जायेगा नये भवन के निर्माण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के विकास खण्ड इटवा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) का जर्जर भवन अब जल्द ही इतिहास बन जायेगा। स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के क्रम में शासन ने पुराने भवन को ध्वस्त कर नये भवन के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

इसके लिए कुल रू.65 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। जिला अस्पताल स्तर की सुविधा वाले इस नये भवन का निर्माण कार्य उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण परियोजना लिमिटेड के माध्यम से कराया जायेगा। पुराना भवन काफी जर्जर हो चुका है और उसमें कार्य करना स्वास्थ्यकर्मियों व मरीजों दोनों के लिए असुरक्षित माना जा रहा था। ध्वस्तीकरण के लिए शासन ने 51.71 करोड़ की अलग से स्वीकृति दी है। यह राशि भवन तोड़ने, मलबा हटाने व स्थल को समतल करने में खर्च की जायेगी। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने बताया कि नये भवन के निर्माण से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। वही पुराने भवन की स्थिति को देखते हुए इसके ध्वस्तीकरण को प्राथमिकता दी गई है। इस भवन में प्रसव कक्ष, आपातकालीन कक्ष, चिकित्सकों के कक्ष, ओपीडी, दवा वितरण केन्द्र सहित अन्य सभी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा होगी। निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की सम्भावना है। वही आपको बता दें कि इटवा सीएचसी का यह पुराना भवन कई वर्षों से उपयोग में है और अब पूरी तरह जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है, जिससे कई बार हादसों की सम्भावना बनी रहती थी।

विश्व जनसंख्या दिवस पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बढ़नी में भव्य जन–जागरूकता रैली का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बढ़नी में एक भव्य जन–जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बड़ी संख्या में आशा बहनों ने उत्साह के साथ भाग लिया और रंग–बिरंगी

स्लोगनों के माध्यम से लोगों को परिवार नियोजन के महत्व के प्रति जागरूक किया। रैली के दौरान माहौल उत्सवमय रहा, जिसमें स्थानीय लोगों का भी अच्छा सहयोग देखने को मिला। रैली का नेतृत्व प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अविनाश चौधरी ने किया। उन्होंने बताया कि 11 जुलाई से 31 जुलाई तक विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा मनाया जा रहा है जिसका उद्देश्य जनसंख्या नियंत्रण और परिवार कल्याण के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस दौरान आशा बहनें घर–घर जाकर महिलाओं को परिवार नियोजन के विभिन्न तरीकों जैसे गर्भनिरोधक साधनों और स्थायी समाधानों की विस्तृत जानकारी देंगी। डॉ0 अविनाश चौधरी ने जोर देकर कहा कि सरकार द्वारा परिवार नियोजन के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराये गये हैं और जो लोग इस दिशा में रुचि दिखायेंगे, उन्हें ये सुविधाएं पूरी तरह निशुल्क प्रदान की जायेंगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य केन्द्र के स्टाफ और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे। रैली के बाद एक छोटा सा जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें डॉक्टरों ने लोगों के सवालों का जवाब दिया और स्वास्थ्य सम्बन्धी सुझाव दिये। यह कार्यक्रम न केवल जनसंख्या नियंत्रण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि समुदाय के बीच सकारात्मक सन्देश भी फैलाया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता रैली को हरी झंडी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डुमरियागंज परिसर से भाजपा नेता नितेश पाण्डेय ने जन जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान प्रभारी

चिकित्साधिकारी डॉ0 सुबोध चन्द्रा जी सहित अधिकारीगण एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए जागरूकता अभियान चलाया। इस अवसर पर नितेश पाण्डेय ने कहा कि आर्थिक–सामाजिक विकास हो या आपदा की स्थिति से बचाव, हर मोर्चे पर सक्षम समाज की नींव रखने के लिए जनसंख्या नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है। यह देश के सतत विकास की आधारशिला है। आइए, विश्व जनसंख्या दिवस पर हम सभी जनसंख्या नियंत्रण के प्रति जन–जागरूकता फैलाने का संकल्प लें और जिम्मेदार नागरिक बनें।

भनवापुर बीईओ राजेश कुमार का विवादित फोटो हुआ वायरल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के खण्ड शिक्षा अधिकारी भनवापुर राजेश कुमार पर फोटोशूट का बुखार चढ़ा है। आपको बता दें कि भनवापुर बीईओ राजेश कुमार अपने वाहन (गाड़ी) जिसका नं0– यूपी42 बीएक्स 6805 पर उत्तर प्रदेश सरकार के नाम वाले बोर्ड पर अपना पैर रख कर कराया फोटोशूट कराया है। जिसका फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल फोटो शासन और

सरकारी मर्यादा को ठेंगा दिखा रहे हैं। अब सवाल यह उठता है कि भनवापुर बीईओ राजेश कुमार वायरल फोटो पर क्या कार्यवाई होगी? जनपद सिद्धार्थनगर के लोग शिक्षा विभाग की छवि को धूमिल पहुँचाने वाले भनवापुर बीईओ राजेश कुमार पर कार्यवाई की मांग कर रहे हैं। वही उक्त छवि जो शिक्षा विभाग की छवि को धूमिल कर सरकार को नुकसान पहुँचाने वाले अधिकारी की ओर से कोई सफाई नहीं दिये हैं। अब देखना होगा कि उक्त अधिकारी पर कब तक जांच होती है और क्या सख्त कार्यवाई होगी?

बूढ़ापार एवं भाद मुस्तहकम में अधिकारियों ने सुनी गाँव की समस्याएं

गाँव की समस्या गाँव मे समाधान हेतु ग्राम पंचायत सचिव ने आयोजित हुआ चौपाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बूढ़ापार के प्राथमिक विद्यालय एवं भाद मुस्तहकम के पंचायत भवन में गाँव की समस्या गाँव में समाधान करने हेतु चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बूढ़ापार में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव गौरव श्रीवास्तव ने की तो वहीं भाद मुस्तहकम में कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव लाल चंद चौधरी ने की। बूढ़ापार में सचिव गौरव श्रीवास्तव एवं भाद मुस्तहकम में सचिव ने लाल चंद चौधरी ने चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। दोनों चौपाल कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए आरबीआई प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने मुख्यमंत्री युवा

उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटना योजना, जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, गरीब व्यक्तियों के पुत्रियों की शादी अनुदान योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजनाओं के साथ आर्थिक उन्नति, बैंकिंग बीमा और साइबर क्राइम के रोकथाम आदि को लेकर लोगों को जागरूक किया। चौपाल कार्यक्रम में मुख्य रूप से राशनकार्ड, फैमिली आईडी, वृद्धावस्था, विधवा पेंशन व दिव्यांग पेंशन, आयुष्मान कार्ड, पीएम आवास योजना, मनरेगा योजना, किसान सम्मान निधि, व्यक्तिगत शौचालय, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटना योजना, जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना आदि योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। साथ ही शासन द्वारा चलायी जा रही गरीब कल्याण व अन्य लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए सचिवों ने ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस दौरान बूढ़ापार में आयोजित चौपाल कार्यक्रम में ग्राम प्रधान जीवन, प्रधानाचार्य अकबाल अहमद अंसारी, पंचायत सहायक अविनाश, रोजगार सेवक अंकित दूबे, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री सरोज कश्यप, सहायक गुना देवी सहित गाँव के रामरती, मंजू, जानकी, मालती देवी, चंद्रेश प्रकाश, संतोष शुक्ला, जीतेन्द्र गुप्ता आदि मौजूद रहे। तो वहीं भाद मुस्तहकम में ग्राम प्रधान सद्दाम हुसैन आदि मौजूद रहे।

सरकारी गल्ले की दुकान पर तहसीलदार ने छापामारी कर किया सीज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

इटवा/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र इटवा के विकास खण्ड

खुनियांव अन्तर्गत कनकटी में सरकारी गल्ले की दुकान (कोटे) पर तहसीलदार ने छापामारी कर दुकान को सीज कर दिया। आपको बता दें कि सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान को कोटेदार की जगह दूसरा व्यक्ति चला रहा था। वहीं सरकारी गल्ले की दुकान पर छापेमारी के दौरान सरकारी अनाज की बोरियों का अनाज दूसरे बोरों में कई लोग भरते हुए रंगे हाथ मिलें। निजी दुकानों में सरकारी अनाज को बेचने के लिए दूसरे बोरो भरा जा रहा था। वहीं गोदाम में निर्धारित स्टॉक से अधिक मात्रा में सरकारी अनाज मिला और सरकारी गल्ले की दुकान पर छापेमारी के दौरान भारी गड़बड़ी मिलीं। तहसीलदार देवेन्द्र मणि त्रिपाठी, लेखपाल अजय चौरसिया, पन्ना लाल यादव, अभिषेक यादव एवं खाद्य रसद विभाग के अखिलेन्द्र प्रताप सिंह व राघवेन्द्र शाही की उपस्थिति में दुकान को सीज किया गया। वहीं छापेमारी में 4 लोगों को पुलिस अपने साथ लेकर गई।

चीनी और पॉलीथिन के साथ पकड़े गये दो संदिग्ध

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। एंटी स्मगलिंग ब्रांच खुनुवा की

टीम ने खुनुवा राजा बाजार में नोमैंस लैण्ड के पास स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र के समीप डम्प किये जा रहे 13 बोरी चीनी व एक बोरी पॉलीथिन पैकेट बरामद किया, जिसे लिखा–पढ़ी के बाद कस्टम को सौंप दिया। इस मामले में पुलिस ने दो नेपाली युवकों को भी हिरासत में लिया है। खुनुवा पुलिस चौकी इंचार्ज सुधीर कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बीती देर शाम सीमा से सटे खुनुवा राजा बाजार में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र के पास नोमैंस लैण्ड के पास नेपाल भेजने के लिए 13 बोरी चीनी व एक बोरी पॉलीथिन पैकेट रखे जाने की सूचना मिली। टीम ने त्वरित कार्यवाई करते हुए उसे कब्जे में ले लिया और मौके से दो नेपाली युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ में युवकों ने अपना नाम मुबारक निवासी यशोधरा गांव पालिका के वार्ड नम्बर–07 गांव सुठौली व रामू निवासी वार्ड नम्बर–05 ग्राम सुल्तानपुर थाना तौलिहवा जिला कपिलवस्तु नेपाल बताया। नेपाली युवकों से इसके वैध दस्तावेज भी नहीं थे। दोनों को हिरासत में ले लिया गया। चौकी इंचार्ज ने बताया कि चीनी के बोरी पर सरजू सहकारी चेल रेयान, खौरी लिखा हुआ है।

ढेबरूआ में रैली निकालकर नामांकन पर दिया गया जोर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र बढ़नी के प्राथमिक विद्यालय ढेबरूआ द्वारा शुक्रवार को स्कूल चलो अभियान व संचारी रोग नियंत्रण अभियान दस्तक अभियान की रैली निकाली गई। रैली का भ्रमण ढेबरूआ एवं शिवभारी गांव में कराया गया। रैली के उपरान्त गांव के दो नये बच्चों का नामांकन किया गया। विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष द्वारा बच्चों को माला पहनाकर एवं चन्दन लगाकर नव प्रवेशी बच्चों का

स्वागत भी किया गया। छात्रों ने पढ़ लो बिटिया पढ़ लो बहना, ये है जीवन का गहना। पढ़ी लिखी लड़की, रोशनी है घर की। सर्व शिक्षा अभियान अनूठा, नहीं लगेगा कहीं अंगूठा। बुखार में देरी, पड़ेगी भारी। हर रविवार मच्छर पर वार। चूहा, मच्छर और छुछुन्दर आने न दो घर के अन्दर। आदि नारों के साथ प्राथमिक विद्यालय ढेबरूआ से चौराहा होते हुए सिसवा उर्फ शिवभारी गांव तक गई। छात्रों ने जनजागरूकता फैलाने में अपना विशेष योगदान दिया। खण्ड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार के निर्देश के क्रम में सभी बच्चों को पुस्तक भी मुहैया कराया गया। दो बच्चों का रैली के बाद नामांकन हुआ। नव प्रवेशी बच्चों का शिक्षकों ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया। रैली में प्रधानाध्यापक निसार अहमद, अनुपम तिवारी, आशुतोष कुमार मिश्र, अंजु चौधरी, इंचार्ज प्रधानाध्यापक महेन्द्र कुमार मिश्रा, शाह आलम, दीप्ति कुमारी, विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष झब्बूलाल, रसोईया किस्मती, फुलझड़ी, शान्ति तथा अन्य अभिभावक उपस्थित रहें।

तस्करी रोकने और बार्डर पर सुरक्षा सख्त करने को लेकर किया चर्चा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

खुनुवा/सिद्धार्थनगर। भारत–नेपाल सीमा से सटे नेपाल के कपिलवस्तु जिले के थाना तौलिहवा क्षेत्र के मर्यादपुर पुलिस चौकी पर गुरुवार को नेपाल पुलिस व खुनुवा पुलिस की समन्वयक बैठक हुई। इसमें नेपाल पुलिस की ओर से एसएसआई सुरेंद्र विक्रम शाह व खुनुवा पुलिस चौकी से इंचार्ज सुधीर कुमार त्रिपाठी ने प्रतिनिधित्व किया। सीमा सुरक्षा व्यवस्था, नशीले पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी पर दोनों देश की नागरिक पुलिस ने समन्वयक बैठक कर समीक्षा की। इसमें सीमा चौकियों, सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी व्यवस्था एवं दोनों देशों की पुलिस के समन्वय की स्थिति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। बैठक के दौरान अधिकारियों ने सीमा पार से होने वाली तस्करी, गो–तस्करी, अतिक्रमण तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने की दिशा में एक दूसरे के सहयोग दिये जाने पर सहमति जताई। बैठक का उद्देश्य सीमा की सुरक्षा को मजबूत करना और संवेदनशील बिन्दुओं की पहचान कर आवश्यक सुरक्षात्मक कदम उठाना था।

सम्पादकीय

इस बात का उल्लेख प्रधानमंत्री ने हालिया विदेश यात्रा के दौरान कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों से किया। लेकिन पाकिस्तान जैसे कई देश आतंकवाद के विरुद्ध जारी मुहिम को कमजोर करने के प्रयास में जुटे हैं। विडंबना यह है कि पाक खुद को आतंकवाद से पीड़ित दर्शाने का कुत्सित प्रयास कर रहा है। यही वजह है...

नियामक एजेंसियों की सख्ती से ही अंकुश

विभिन्न देशों द्वारा आतंकवादियों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष व परोक्ष मदद पर नजर रखने वाली वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था यानी एफएटीएफ की हालिया रिपोर्ट चौंकाने वाली है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह सनसनीखेज बात उजागर हुई है कि आतंकवादी वित्तीय संसाधन जुटाने व खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में विस्फोटक पदार्थ का एक भाग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खरीदा गया था। निश्चित रूप से जिस तेजी से आतंक का नेटवर्क ऑनलाइन बाजार का फायदा उठा रहा है, यह कानून की नियामक एजेंसियों के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। बताया जा रहा है कि आतंकवादी इंटरनेट के जरिये विस्फोटक बनाने की तरकीब भी सीख रहे हैं। इंटरनेट से बम बनाने की तकनीक सीखने की खबरों के बीच हमारे नीति-नियंताओं को इस पर अंकुश लगाने की दिशा में गंभीर पहल करनी चाहिए। साथ ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों पर दबाव बनाना चाहिए कि वे आतंकवादियों के लिए मददगार सामान पर सख्ती से अंकुश लगाएं। इससे पहले एफएटीएफ ने संकेत दिए थे कि पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान आतंकवादियों को न केवल पैसा व हथियार दे रहे हैं बल्कि उन्हें ट्रेनिंग देने में भी मदद की जा रही है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि आतंकी मंसूबों को पूरा करने के लिये आतंकवादी ऑनलाइन सेवाओं के जरिये हथियार, रसायन और थ्री डी-प्रिंटिंग सामग्री भी खरीद रहे हैं। यह विडंबना ही है कि आम नागरिकों के जीवन को सरल-सुविधाजनक बनाने के लिये जिन ऑनलाइन सेवाओं की शुरुआत हुई थी, वह अब आतंकवादियों की मदद का साधन बन गई है। विश्व के आतंकवादी संगठन आधुनिक तकनीक के जरिये न केवल अपने मंसूबों को पूरा कर रहे हैं बल्कि पुलिस व कानून से बचने में इंटरनेट उनका मददगार बन गया है। जिसमें आतंक की पाठशाला चलाने वाली सरकारें भी सहायक बनी हैं। विगत के कुछ वर्षों में हुए कुछ बड़े हमलों की जांच में प्रामाणिक रूप से इस बात का खुलासा हुआ है कि अब आतंकी हमलों के लिये खतरनाक ढंग से ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किया गया है। यह विडंबना ही है कि अपराधी व आतंकवादी खुफिया एजेंसियों द्वारा अपराध नियंत्रण के लिये चलाये जा रहे अभियानों को धता बताकर अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने लगे हैं। जिन ऑनलाइन सेवाओं से उपभोक्ताओं को सुविधाओं को विस्तार दिया जा रहा था, उस व्यवस्था के छिद्रों से अपराधियों ने अपनी सुगम राह तलाश ली है। जिस पर सख्त निगाह रखना सरकारों का प्राथमिक दायित्व बनता है। यदि समय रहते इस दिशा में सख्त कदम न उठाये गए तो यह व्यवस्था आतंकवादियों के खतरनाक अभियानों के लिये सुरक्षित रास्ता बन जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को उन सरकारों पर भी दबाव डालना चाहिए जो आतंकी संगठनों का वित्तपोषण करते हैं। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि दुनिया के सभी देश मिलकर इंटरनेट से वे सामग्री हटवाएं जिसका उपयोग आतंकवादी घातक हथियार व बम बनाने में करते हैं। वहीं ऑनलाइन सेवाएं देने वाले प्लेटफॉर्मों पर भी दबाव बनाया जाना चाहिए कि आतंकी हमलों में मददगार सामग्री की डिलीवरी न करें। आज भारत समेत कई शांतिप्रिय देश आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक मुहिम चला रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही जरूरी है कि अपनी सुविधा के अनुसार आतंकवाद की परिभाषा तय करने वाले देशों को बेनकाब किया जाए। इस बात का उल्लेख प्रधानमंत्री ने हालिया विदेश यात्रा के दौरान कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों से किया। लेकिन पाकिस्तान जैसे कई देश आतंकवाद के विरुद्ध जारी मुहिम को कमजोर करने के प्रयास में जुटे हैं। विडंबना यह है कि पाक खुद को आतंकवाद से पीड़ित दर्शाने का कुत्सित प्रयास कर रहा है। यही वजह है कि गत माह वैश्विक निगरानी संस्था एफएटीएफ ने स्पष्ट किया था कि पहलगाम हमला संस्थागत व राज्य प्रायोजित वित्तीय मदद के संभव नहीं हो सकता था। निश्चित रूप से एफएटीएफ के इस खुलासे से पाकिस्तान दुनिया के सामने एक बार फिर बेनकाब ही हुआ है। भारत को इस सच को न केवल पूरी दुनिया को बताना चाहिए बल्कि पाक को फिर एफएटीएफ की संदिग्ध सूची में शामिल करवाने का भी प्रयास करना चाहिए।

वेद सांस्कृतिक समीक्षा के सार्वभौम तथ्य हैं

वेदों के द्वारा सनातन संस्कृति को हजारों वर्षों से संरक्षित रखा जा सका है। संस्कृतियों की समीक्षा मानव निर्मित सभ्यताएं करती हैं। वेद हमारी सभ्यता समीक्षा हैं, जहां एक संतुलित और सुव्यवस्थित सामाजिक व्यवस्था है। जहां जन्मना नहीं बल्कि कर्मणा व्यक्ति के कार्यों के निष्पादन के आधार पर व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा तय होती थी। वेदों ने भारतीयता को वैश्विक बनाया। भारतीय संस्कृति और सभ्यता को चतुर्दिक स्वरूप प्रदान किया। अग्नि के प्रकटीकरण और पूजित होने के कारण मनुष्यता गहन अंधकार से निकलकर प्रकाशमय हो सकी। मनुष्यता को सामाजिक संस्कृति और सभ्यता के उन्नायक वेद हैं। वेद हमारी विरासत हैं। भाषा और सामाजिक व्यवस्था का जैसा रूप वेदों में है वह अन्य प्राचीन सभ्यताओं में नहीं है। सामाजिक सुव्यवस्था का सूत्रपात करने के कारण ही हम इसे वंदनीय मानते हैं। कहा जाता है कि वेद अनंत हैं और वेदों के ज्ञान का न आदि है और न ही अंत है। वेदों के संपूर्ण ज्ञान को ऋषि वेदव्यास द्वारा 4 प्रकारों (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद) में विभाजित किया गया था। महर्षि वेदव्यास जी द्वारा वेद को सृजित किया गया है। लेकिन वेदव्यास जी द्वारा वेदों को केवल लिपिबद्ध किया गया है। वेदों को पढ़ने का कोई निश्चित क्रम नहीं है। बात यह है कि ऋग्वेद चारों वेदों में सबसे पुराना और सबसे महत्वपूर्ण है, इसलिए ऋग्वेद को पहले पढ़ा जा सकता है। यद्यपि कि सामवेद चारों वेदों में आकार की दृष्टि से सबसे छोटा है और इसके 1875 मन्त्रों में से 99 को छोड़ कर सभी ऋग्वेद के हैं। वेद स्वयं सिद्ध हैं। चारों वेदों की आध्यात्मिक परंपरा को संरक्षित करने की आवश्यकता है। वेदों के अनंत ज्ञानराशि की रश्मियां प्राचीन काल से ही भारतीय समाज को आलोकित करती रही हैं। ऋषियों और मुनियों द्वारा पोषित परंपरा के कारण ही सदियों से भारत विश्वगुरु रहा है।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

'एक भारतीय आत्मा' को अभिनव आदरांजलि

'मूर्धन्य साहित्यकार फिराक गोरखपुरी की सम्मति उल्लेखनीय है 'उनके लेखों को पढ़ते समय ऐसा मालूम होता था कि आदि शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही है। यह शैली हिन्दी में ही नहीं, भारत की दूसरी भाषाओं में भी विरले ही लोगों को नसीब हुई।' बाबई का माखननगर बनना भारत के संस्कृति-साहित्य-पत्रकारिता इतिहास का अनूठा और अभूतपूर्व अध्याय है। परंतु यह टीस कचोटती है कि ...

विजयदत्त श्रीधर

वे समाज और राष्ट्र सच्चे अर्थों में समुन्नत होते हैं जो अपनी संस्कृति और परंपरा को सगर्व स्वीकारते हैं और उनका अनुपालन करते हैं। ऐसे समाज अपने महनीय और कृती व्यक्तियों और उनके कृतित्व का स्मरण करते हैं और उनके स्मारक भी रचते हैं। भारत से विदेश यात्रा पर जाने वाले लोग बहुधा अपने अनुभव सुनाते हुए उल्लेख करते हैं कि किन देशों और स्थानों पर उनके महान साहित्यकारों, कलाकारों, वैज्ञानिकों के सम्मान और स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए किस प्रकार स्मृति चिह्नों को सहेजा गया है। भारत में ऐसी कोई परंपरा नहीं है। भारत के सुदीर्घ और समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास में अनेक विभूतियां हैं। इनमें मूर्धन्य साहित्यकार, शिरोमणि कलाकार, उद्भट विद्वान, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सम्मिलित हैं। राष्ट्र की सीमाओं से परे विश्व फलक पर उनकी सर्जना को रेखांकित किया गया है। परंतु उन विभूतियों से संबंधित स्थलों के प्रति प्रायः उपेक्षा और उदासीनता का भाव ही हमारा स्वभाव है। यह जरूर है कि कुछ विभूतियों के नाम पर संस्थान स्थापित हुए हैं। ऐसे परिवेश और सामाजिक पर्यावरण में बीते दिनों भारत के हृदय मध्यप्रदेश में घटित ऐतिहासिक परिघटना ने इस जड़ता को तोड़ा है। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम् (होशंगाबाद) जिले के बाबई गांव में जन्मे दादा माखनलाल चतुर्वेदी चिंतक, कवि, संपादक, स्वाधीनता आंदोलन के अग्रगण्य हस्ताक्षर रहे हैं। प्रभा और कर्मवीर के संपादक के रूप में उन्होंने

राष्ट्र की वाणी को मुखरित किया। जब योद्धा पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी कारावासी हुए, तब माखनलाल जी ने प्रताप के संपादन का दायित्व संभाला। कवि-लेखक की भूमिका में मानवीय संवेदना और सरोकारों के साथ-साथ स्वाधीनता की चेतना को स्वर दिया। वे गिरफ्तारी देने वाले मध्य प्रांत के पहले सत्याग्रही थे। ऐतिहासिक झण्डा सत्याग्रह के नायक थे। बिलासपुर जेल में 18 फरवरी, 1922 को जिस पुष्प की अभिलाषा की उन्होंने रचना की, वह समूचे देश के लिए आजादी का तराना बन गई थी। ऐसी राष्ट्रीय विभूति की जन्मभूमि बाबई उपेक्षित थी। सन् 1988-89 दादा माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म शताब्दी वर्ष था। इस प्रसंग में माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय, भोपाल ने बाबई में माखनलाल चतुर्वेदी जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन किया। साहित्य और पत्रकारिता के शीर्षजनों ने इस मंच से दादा की जन्मस्थली बाबई का नामकरण माखननगर करने की अपील की। 4 अप्रैल, 1988 को माखनलाल जी के सौवें जन्मदिन पर मध्यप्रदेश विधानसभा ने सर्वसम्मति से तदाशय का संकल्प पारित किया। उस समय सदन के नेता मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह, नेता प्रतिपक्ष कैलाश जोशी और विधानसभा अध्यक्ष राजेन्द्रप्रसाद शुक्ल थे। विधानसभा में इन तीनों संवैधानिक हस्तियों की वाणी में मानो मध्यप्रदेश के कोटिश: कण्ठों का कृतज्ञ स्वर मुखरित हुआ था। तथापि प्रक्रिया की भूल-भुलैया में इस संकल्प का साकार होना उलझा रहा। आखिरकार दादा माखनलाल चतुर्वेदी की 134वीं जयंती आते-आते नामकरण की जन-अभिलाषा पूरी होने की घड़ी आ गई। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निरंतर प्रयासों के कारण संकल्प साकार हो सका। एक विशाल जनसभा में हजारों नागरिकों की उपस्थिति में बाबई से माखननगर नामकरण का समारोह मनाया गया। बाबई में जितने भी शासकीय और अर्द्ध शासकीय कार्यालय स्थापित थे, उन सभी के नामपट पर माखननगर अंकित किया गया। वैसे बाबई के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान कई साल पहले से अपने नामपट में माखननगर जोड़ चुके थे। नागरिक अपने पत्र-व्यवहार में और पत्रकार अपने समाचारों के साथ माखननगर नाम का प्रयोग कर रहे थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जब 7 दिसंबर, 1933 को बाबई पहुंचे तब उन्होंने कहा था 'हम सब लोग बात करते हैं बोलना तो माखनलाल जी ही जानते हैं। मैं बाबई जैसे छोटे स्थान पर इसलिए आया हूं क्योंकि यह माखनलाल जी का जन्म स्थान है। जिस भूमि ने माखनलाल जी को जन्म दिया है, उसी भूमि को मैं सम्मान देना चाहता हूं।' कांग्रेस के अध्यक्ष नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने 17 फरवरी, 1938 को अपने संदेश में कहा था 'पिछले 14 वर्षों से 'कर्मवीर' ने राष्ट्रीय महासभा के झण्डे को ऊंचा रखा है और प्रति सप्ताह हमारे देशवासियों को प्रेरणात्मक संदेशों से अनुप्रेरित करता रहा है। मेरी यह एकांत आशा और प्रार्थना है कि इस पत्र द्वारा हमारी मातृभूमि की लगातार सेवा होती रहे।' मूर्धन्य साहित्यकार फिराक गोरखपुरी की सम्मति उल्लेखनीय है 'उनके लेखों को पढ़ते समय ऐसा मालूम होता था कि आदि शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही है। यह शैली हिन्दी में ही नहीं, भारत की दूसरी भाषाओं में भी विरले ही लोगों को नसीब हुई।' बाबई का माखननगर बनना भारत के संस्कृति-साहित्य-पत्रकारिता इतिहास का अनूठा और अभूतपूर्व अध्याय है। परंतु यह टीस कचोटती है कि भारत में और विशेष रूप से हिन्दी जगत में हर्ष और उल्लास की जैसी प्रतिक्रिया होनी थी, वह नहीं हुई। कदाचित इसकी अनुभूति भी नहीं है।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण संबंधी चिंताएं

वास्तविक मतदाताओं द्वारा दस्तावेज प्रस्तुत करने में संभावित व्यावहारिक कठिनाइयों के अलावा, जिस बात ने विवाद को और हवा दी, वह है चुनाव आयोग द्वारा जन्मतिथि के आधार पर अंतर करना जैसे 1 जुलाई, 1987 से पहले जन्मे लोगों के लिए अपने जन्म का दस्तावेजी सबूत देना अनिवार्य है, और 1 जुलाई, 1987 से 2 दिसंबर, 2004 के बीच पैदा हुए लोगों को 'अपना और पिता या माता में किसी ...

अशोक लवासा

जरूरी नहीं जो कानूनी तौर पर हो, वह हमेशा उचित हो। मतदाता सूचियों का शोधन एक सराहनीय उद्देश्य, एक जायज मांग और कठिन जिम्मेदारी है। भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सुकुमार सेन ने मतदाता सूची (ईआर) की गुणवत्ता पर अपनी पूरी तसल्ली होने बाद ही 1951 में प्रथम चुनाव करवाने से पहले 18 महीने तक काफी दबाव झेला था। वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी, जब इस साल की शुरुआत में, मतदाता सूची में कथित हेराफेरी और विसंगतियों की शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए 90 दिनों के अंदर सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन देश को दिया था। लेकिन इस दिशा में उठाए गए एक कदम ने चुनाव आयोग को विवाद के घेरे में ला दिया, जो कि पिछले कुछ समय से इस संस्थान को घेरने वाले कई विवादों में एक है। हालांकि इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद स्थिति स्पष्ट होती नजर आ रही है। समय-समय पर चुनाव करवाने वाले काम के विपरीत, मतदाता सूची तैयार करना एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21 (2) और मतदाता पंजीकरण नियमों के नियम 25 के अनुसार प्रत्येक चुनाव से पहले संशोधन किया जाना शामिल है। इस हिसाब से, 2024 में हुए लोकसभा चुनावों से पहले एक राष्ट्रव्यापी संशोधन कार्य किया जाना बनता था। इस साल 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन करने का आदेश दिया, जबकि वहां होने वाले विधानसभा चुनाव में चंद महीने बाकी हैं। ऊपरी तौर से इसका मंतव्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची में सभी पात्र नागरिक जुड़ें, कोई अयोग्य मतदाता न हो और सूची में मतदाताओं को जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता हो। इस आदेश में गहन संशोधन हेतु विस्तृत प्रक्रिया की रूपरेखा दी गई, लेकिन इसने मतदाता सूची में 2003 से पहले और इसके बाद जुड़े मतदाताओं के बीच एक विवादास्पद अंतर खड़ा कर दिया, उस साल बिहार में आखिरी मर्तबा एसआईआर कार्य हुआ था। इस आदेश में 2003 के बाद जुड़े मतदाताओं को अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए, आयोग द्वारा तय दस्तावेज प्रस्तुत करके अपने दावों को सिद्ध करना अनिवार्य था। भले ही मतदाता के रूप में उनका नाम शामिल करते वक्त, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 23 के अनुरूप मतदाता संशोधन अधिकारी उनकी पात्रता की शर्तों की सत्यापना, अपनी तसल्ली होने तक, पहले ही कर चुका हो। तर्क दिया गया, यह कार्य ईसीआईनेट पर शोधित सूची को प्रकाशित करने योग्य बनाएगा। यह घोषणा करने का वक्त और इसे अचानक किए जाने से हो-हल्ला मच गया, खासकर इसलिए कि यह प्रक्रिया उन अन्य राज्यों में नहीं करवाई गई जहां शुद्धीकरण किया जाना इतना ही महत्वपूर्ण था और चुनाव भी तुरंत नहीं होने वाले थे। संदेह की वजह यह समझने में मुश्किल होना रही कि चुनाव आयोग किस चीज को आधार बनाकर 2003 तक पंजीकृत हुए लोगों की साक्ष्य-साख का अधिक मोल डाल रहा है। जबकि चुनाव आयोग खुद कहता है कि प्रवासन, मृत्यु, रोजगार आदि की संभावना दोनों श्रेणी के मतदाताओं पर लागू होती है। तो समझना मुश्किल है कि 2003 से पहले वाली और बाद वालों में अपनाई प्रक्रिया के बीच फर्क क्यों रखा जा रहा है? खासकर जब संक्षिप्त संशोधन या विशेष गहन संशोधन या चालू पंजीकरण के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया एक जैसी है, जिसमें दस्तावेज जमा करवाए जाते हैं और कुछ स्तर का अधिकारी उनकी भौतिक सत्यापना करता है। 24 जून की प्रारंभिक अधिसूचना के अनुसार यह आशंका व्यक्त की गई कि 2003 के बाद पंजीकृत मतदाता यदि कोई संतोषजनक दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं तो उनका नाम मसौदा मतदाता सूची से स्वतः हट जाएगा। चुनाव आयोग के लिए अच्छा रहता यदि आदेश के साथ-साथ एक प्रेस नोट भी जारी करता, यह समझाने के लिए कि 24 जून के आदेश के पैरा 13 से जो अर्थ निकाले जा रहे हैं वह वैसा नहीं है, जब उसमें कहा गया: मसौदा सूची में उन सभी मतदाताओं के नाम शामिल होंगे जो 25 जुलाई, 2025 से पहले-पहले विधिवत भरा हुआ पंजीकरण फॉर्म जमा करवा देंगे। चूंकि यह एक गहन संशोधन है, इसलिए यदि 25 जुलाई, 2025 से पहले पंजीकरण फॉर्म जमा नहीं करवाया जाता, तब मतदाता का नाम मसौदा सूची में शामिल नहीं किया जा सकेगा। चुनाव आयोग को तुरंत स्पष्ट करना चाहिए था कि विधिवत भरे गए फॉर्म से यहां आशय केवल वही फॉर्म जिनके साथ अपेक्षित दस्तावेज संलग्न हो नहीं है, या कुछ स्तरीय अधिकारी ऐसे पंजीकरण फॉर्म मसौदा सूची में शामिल न किए जाने की अनुशंसा नहीं करेगा और नतीजन उनका नाम मसौदा मतदाता सूची से बाहर रह जाएगा। ऐसे स्पष्टीकरण से मसौदा सूची से वोटर्स के नाम हट जाने बारे बनी गलतफहमी दूर होने में मदद मिलती। चूंकि तय किए दस्तावेज पेश करने की करोड़ों लोगों की क्षमता पर संदेह स्वाभाविक है, खासकर तब, जब चुनाव आयोग की स्वीकारोक्ति मुताबिक, यह काम पहले करना चाहिए था। इसका अहसास होने पर आयोग ने 30 जून को स्पष्टीकरण दिया: कोई भी व्यक्ति जिसका नाम 2003 की बिहार मतदाता सूची में नहीं है, वह अभी भी अपने माता या पिता के लिए कोई अन्य दस्तावेज प्रदान करने के बजाय 2003 की मतदाता सूची में दर्ज जानकारी का संदर्भ उपयोग कर सकता है। इसके लिए 2003 वाली मतदाता सूची वाला प्रासंगिक विवरण पर्याप्त होगा।

बुद्ध पब्लिकेशन
ऑफसेट एण्ड प्रिन्टर्स
8795851817, 9453824459

जो रूट ने लॉर्ड्स में रच दिया इतिहास, तोड़ दिए ये बड़े–बड़े रिकॉर्ड

इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज जो रूट ने ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान में रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल खत्म होने तक वह 99 रन पर नाबाद थे। शुक्रवार को अगर वह शतक पूरा करने में कामयाब हो जाते हैं तो वह सबसे ज्यादा टेस्ट शतकों के मामले में टॉप 5 से ऑस्ट्रेलिया के अपने समकालीन स्टीव स्मिथ और भारत के दिग्गज राहुल द्रविड़ को पछाड़ देंगे।

जो रूट ने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर सभी फॉर्मेट में मिलाकर सबसे ज्यादा रन बनाने का नया रिकॉर्ड बना चुके हैं। उन्होंने एक ऐतिहासिक मैदान पर अब तक 33 मैच में 2526 रन बनाए हैं। इस तरह उन्होंने ग्राहम गूच के पिछले 2513 रन के रिकॉर्ड को पछाड़ दिया है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान रूट एक और इतिहास रचते हुए भारत के खिलाफ टेस्ट में 3000 रन बनाने वाले इकलौते बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 33 टेस्ट में अब तक 3054 रन बनाए हैं जिनमें 10 शतक भी शामिल हैं। इसके साथ ही वह गैर–एशेज टेस्ट प्रतिद्वंद्विता में 3000 से ज्यादा रन बनाने के मामले में गैरी सोबर्स और सचिन तेंदुलकर के क्लब में शामिल हो गए हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट में रूट एक छोर पर झंडा गाड़े खड़े हैं और दूसरे दिन 1 रन बनाते ही वह 37वां टेस्ट शतक जड़ देंगे। इसके साथ ही वह सबसे ज्यादा टेस्ट शतकों के मामले में स्टीव स्मिथ और राहुल द्रविड़ को पछाड़कर पांचवें नंबर पर पहुंच जाएंगे।

रूट का ये टेस्ट में 103वां 50 स्कोर है। इनमें 36 बार वह अपनी पारी को शतक में तब्दील करने में कामयाब हो चुके हैं और 67 बार अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट में सबसे ज्यादा बार फिफ्टी प्लस बनाने के मामले में वह अब सिर्फ सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं जिन्होंने ऐसी 119 पारियां खेली हैं। जैक्स कैलिस और रिकी पोंटिंग भी रूट के बराबर ही यानी 103 बार टेस्ट में फिफ्टी प्लस का स्कोर किया है।

शुक्रवार को दूसरे दिन अगर जो रूट पहला रन लेने में कामयाब हो जाते हैं तो उनके अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 55 शतक हो जाएंगे और वह हाशिम अमला की बराबरी कर लेंगे।

टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव मर्डर केस में नया खुलासा, इस बात से नाराज थे पिता

गुरुग्राम की 25 वर्षीय टेनिस प्लेयर राधिका यादव मर्डर केस इन दिनों काफी चर्चा में है। दरअसल, इस मामले में अब एक नया खुलासा हुआ है। दरअसल, राधिका के पिता दीपक यादव सोशल मीडिया पर वायरल राधिका के एक म्यूजिक वीडियो से बेहद नाराज थे जिसके बाद आरोपी पिता ने बेटी से वीडियो इंस्टाग्राम से डिलीट करने को कहा था लेकिन राधिका ने मना कर दिया था।

स्टेट लेवल की टेनिस प्लेयर राधिका यादव को उनके पिता ने ही गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इस खबर ने सभी को स्तब्ध कर दिया। पुलिस के अनुसार शुरुआती पूछताछ में 49 वर्षीय दीपक यादव ने हत्या की बात कबूल कर ली है। अधिकारियों को उसने बताया कि उसके गांव के लोग उसे बेटी की कमाई पर निर्भर रहने के लिए ताना मारते थे। जिसके बाद दीपक ने बेटी को टेनिस एकेडमी बंद करने के लिए कहा था अब इस केस में एक और बड़ा खुलासा हुआ है।

पुलिस सूत्रों के हवाले से एनडीटीवी ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि दीपक यादव अपनी बेटी द्वारा बनाए गए एक म्यूजिक वीडियो से बहुत ज्यादा गुस्सा थे। ये वीडियो कलाकार [illegible] का गाना कारवां था, जिसे प्रोड्यूस किया था जीशान अहमद ने और एक साल पहले रिलीज हुआ था। इस वीडियो में राधिका भी INAAM के साथ कई सीन में नजर आई थी।

दीपक यादव को बेटी राधिका यादव का म्यूजिक वीडियो पसंद नहीं आया था। उन्होंने बेटी से कहा था कि वीडियो को हटा दे लेकिन बेटी नहीं मानी। इस वीडियो ने पिता पुत्री के बीच तनाव पैदा कर दिया। आरोपी पिता ने कबूल किया है कि उसने अपनी बेटी को पीठ में 3 गोलियां मारी जब वह रसोई में खाना बना रही थी। अलग फ्लोर पर रहने वाले दीपक के भाई और राधिका के चाचा आवाज सुनकर आए तो देखा कि राधिका फर्श पर पड़ी है और रिवाल्वर साथ वाले ड्राइंग रूम में पड़ी हुई है। उसके चाचा उसे हॉस्पिटल लेकर गए लेकिन डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बांग्लादेश में महिला अफसरों को सर कहने की बाध्यता खत्म, शेख हसीना शासनकाल के दौरान के नियमों को युनूस सरकार ने हटाया

बांग्लादेश ने शेख हसीना सरकार के उस नियम को आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया है जिसके तहत सरकारी अधिकारियों को पूर्व प्रधानमंत्री और अन्य वरिष्ठ महिला अधिकारियों को 'सर' कहकर संबोधित करना अनिवार्य था।

यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा जारी आधिकारिक नोटिस के अनुसार, इस निर्देश को इसकी 'अनुचित' प्रकृति के कारण रद्द कर दिया गया है। ढाका ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के आधार पर, मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने बताया कि ढाका में सलाहकार परिषद की बैठक के बाद निर्देश को रद्द करने का निर्णय अंतिम रूप दिया गया। प्रेस सचिव ने फेसबुक पर लिखा कि शेख हसीना के लगभग 16 साल लंबे निरंकुश शासन के दौरान, कथित तौर पर एक निर्देश जारी किया गया था, जिसके तहत सार्वजनिक अधिकारियों को उन्हें 'सर' कहकर संबोधित करने की आवश्यकता थी।

उन्होंने आगे कहा कि यह प्रथा अन्य उच्च पदस्थ महिला अधिकारियों तक भी फैली हुई है, जिन्हें पहले भी 'सर' कहा जाता था और अब भी कहा जाता है, जो स्पष्ट रूप से अजीब है। 'सर' आदेश के साथ–साथ सलाहकार परिषद ने अन्य 'पुराने' निर्देशों और प्रोटोकॉल नियमों को भी समाप्त कर दिया है। 'सर' कहने के आदेश को समाप्त करने के बाद, अंतरिम सरकार ने कहा है कि वह वरिष्ठ अधिकारियों और लोक सेवकों को संबोधित करने के 'उचित' तरीके पर विचार करने के लिए एक समीक्षा समिति का गठन करेगी। समीक्षा समिति का नेतृत्व सैयदा रिजवाना हसन करेंगी, जो वर्तमान में ऊर्जा, सड़क, रेलवे, पर्यावरण और जल संसाधन मामलों की सलाहकार भी हैं।

महिला अधिकारियों के लिए सर शब्द के इस्तेमाल की कई वर्षों से आलोचना होती रही है। अंतरिम सरकार ने एक अधिक सम्मानजनक और उपयुक्त शब्द की दिशा में काम करने का संकल्प लिया है जो बांग्लादेश के सामाजिक मानदंडों और मूल्यों के अनुरूप हो।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष गिरफ्तार, FIR में लगे गंभीर आरोप

तेलंगाना सीआईडी ने दावा किया है कि क्रिकेट बॉल, एयर कंडीशनर, खेल परिधान और प्लंबिंग के आरोप हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष ए जगन मोहन राव पर लगे हैं। ए जगन मोहन राव ने एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सीजे श्रीनिवास राव और इसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील कांते के साथ मिलीभगत करके कथित तौर पर धन का दुरुपयोग किया। तेलंगाना अपराध जांच विभाग के अधिकारियों के अनुसार कथित हेराफेरी कम से कम 2.32 करोड़ रुपये की थी। मामले में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार कथित हेराफेरी 8 मामलों में हुई, जिसमें खानपान सेवाओं का आवंटन और विद्युत सामग्री की खरीद शामिल है। सीआईडी का मामला 9 जून 2025 को तेलंगाना क्रिकेट एसोसिएशन के महासचिव डी गुरुवा रेड्डी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर आधारित है। एफआईआर के अनुसार, जगन मोहन राव ने एचसीए की टॉप परिषद के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर कथित तौर पर 1.03 करोड़ रुपये की हेराफेरी की। जगन मोहन राव ने ये दावा किया था कि उक्त राशि बीसीसीआई के घरेलू सत्र 2024–25 के लिए क्रिकेट गेंदों की खरीद पर खर्च की जा रही है। FIR में लिखा है कि, इतनी बड़ी रकम में खरीदी गई गेंदों की संख्या सिर्फ 1340 थी। एफआईआर में लिखा है कि इस खरीद में राव ने निविदा प्रक्रिया का उल्लंघन किया और स्टॉक रजिस्टर नहीं रखा। इसी तरह नए एयर कंडीशनर पर कथित तौर पर 11.85 लाख रुपये खर्च किए गए बताए गए हैं।

इजराली के LORA से पाकिस्तान के साथ क्या गजब खेल करने वाला है भारत, सुखोई में ब्रह्मोस के साथ तैनाती

पाकिस्तान के परखच्चे उड़ाने के लिए भारत एक नई मिसाइल मंगवा रहा है। ये मिसाइल पाकिस्तान में 400 किलोमीटर अंदर घुस कर हमला करके आएगी। इस मिसाइल का नाम लॉन्ग रेंज आर्टलरी मिसाइल है। भारत खासतौर से पाकिस्तान का इलाज करने के लिए इस खतरनाक लॉन्ग रेंज मिसाइल इजरायल से खरीद सकता है। पाकिस्तान ने अगर अब कोई हरकत की तो उसके होश उड़ने तय हैं। भारतीय वायु सेना एक नई रणनीति के तहत इजरायल की लॉन्ग रेंज आर्टिलरी मिसाइल को एसयू 30 जैसे लड़ाकू विमान में लगाने की योजना बना रही है। मगर सवाल ये है कि जब भारत ने पाकिस्तान का इलाज करने के लिए ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें तैयार कर रखी हैं। ऐसे में इजरायल से लॉन्ग रेंज मिसाइल आर्टिलरी खरीदने पर विचार क्यों किया जा रहा है? दरअसल, इजरायल के इस मिसाइल को खासतौर से किसी देश के एयरडिफेंस सिस्टम का काल कहा जाता है। लॉन्ग रेंज आर्टलरी मिसाइल अंदर तक घुसकर एयर डिफेंस सिस्टम को उड़ा कर आ जाता है। यह। एक थिएटर क्वासी–बैलिस्टिक मिसाइल है जिसकी रेंज 400 किलोमीटर है और टर्मिनल मार्गदर्शन के लिए जीपीएस और टीवी के संयोजन का उपयोग करते समय 10 मीटर की सीईपी (सर्कुलर एरर प्रोबेबिलिटी) होती है। भारत अब ब्रह्मोस के साथ लॉन्ग रेंज आर्टिलरी मिसाइल को एक टीम की तरह इस्तेमाल करना चाहता है। जिससे भारतीय वायुसेना की स्ट्रैटेजिक और टैक्टिकल क्षमताएं बढ़ जाएं।

LORA को क्या अलग बनाता है: इसे इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित किया गया था और विशेष रूप से उच्च–मूल्य वाले लक्ष्यों पर सटीक प्रहार के लिए डिजाइन किया गया था। पारंपरिक क्रूज मिसाइलों, जो नीचे की ओर उड़ती हैं और जमीन से सटी होती हैं, के विपरीत, LORA अर्ध–बैलिस्टिक है। यह एक ऊंचे, अवनत प्रक्षेप पथ का अनुसरण करती है, जिससे इसका पता लगाना और अवरोधन करना अधिक कठिन हो जाता है। यह मिसाइल लगभग मैक 5 की सुपरसोनिक गति से उड़ती है और उड़ान के बीच में अपना मार्ग समायोजित कर सकती है, जिससे परिष्कृत वायु रक्षा प्रणालियों को भेदने की इसकी क्षमता में सुधार होता है। मारक क्षमता 400 किलोमीटर : एयर लोरा की मारक क्षमता 400–430 किलोमीटर है। इसके वारहेड विकल्पों में ब्लास्ट फरेग्मेंटेशन या डीप–पेनेट्रेशन शामिल हैं, जिनका अधिकतम वजन 570 किलोग्राम है। प्रत्येक मिसाइल का वजन लगभग 1,600 किलोग्राम और लंबाई 5.2 मीटर है। यह अपने जड़त्वीय नेविगेशन सिस्टम और एंटी–जैमिंग सुरक्षा उपायों वाले जीपीएस की बदौलत 10 मीटर से भी कम की सर्कुलर एरर प्रोबेबिलिटी (सीईपी) के साथ सटीक निशाना साधती है, जिससे इसे घातक और [illegible] क्षमता प्राप्त होती है।

कुरान पढ़ो, इस्लाम को जानो और अरबी सीखो...नेतन्याहू के नए फरमान से मचा हड़कंप, फिर हुआ असली खेल

इजरायल से एक ऐसी खबर आई है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। भारत के लोग भी ये समझ ही नहीं पाए कि इजरायल ने ये कैसा ऐलान कर दिया है। दरअसल, इजरायल की सेना अब इस्लाम की शिक्षा लेगी। कुरान पढ़ेगी और अरबी भाषा सीखेगी। इजरायली आर्मी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने अपने सभी खुफिया सैनिकों और अधिकारियों के लिए कुरान के अध्ययन को अनिवार्य बना दिया है। हिब्रू बोलने वाले इजरायल के सैनिकों और अधिकारियों के लिए अरबी भाषा सीखना अनिवार्य कर दिया गया है। अहम खबर यह है कि सामने आ रही जानकारी के अनुसार, इजराइल अब कुरान और अरबी भाषा को भी अपने पाठ्यक्रम में शामिल करेगा।

इजराइली सरकारी चैनल से मिली जानकारी के अनुसार, अक्टूबर 2023 में हमास द्वारा इजराइल पर एक बड़ा हमला किया गया था। ऐसा माना जा रहा है कि यह हमला खुफिया सेवाओं की गलती के कारण हुआ। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यदि सैन्य अधिकारी और मोसाद अधिकारी अरबी भाषा जानते होते तो हमला नहीं होता। इसलिए, अब इजरायल ने आदेश जारी किया है कि उसके अधिकारियों को जल्द से जल्द अरबी सीखनी होगी। जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार, इजराइल चारों ओर से मुस्लिम देशों से घिरा हुआ है। इजराइल के पड़ोसी देश जॉर्डन, तुर्की, सऊदी अरब, यमन और लेबनान जैसे देश हैं।

अरबी भाषा बोलने वाले देशों में इजराइल एकमात्र ऐसा देश है जहां हिब्रू भाषा बोली जाती है। इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष इस समय अपने चरम पर है और ऐसी स्थिति है कि ईरान कभी भी इजराइल पर हमला कर सकता है। ईरान में कई लोग अरबी भी बोलते हैं, इसलिए इजराइल ने अब अपने अधिकारियों पर यह भाषा थोप दी है। इजराइल के शीर्ष कमांडरों को अरबी भाषा का ज्ञान है, इसलिए वे इस भाषा का उपयोग करके दुश्मन की कई योजनाओं को समझ लेते हैं, लेकिन इजराइल में दूसरे दर्जे के सैनिकों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए अब उनके लिए अरबी भाषा अनिवार्य कर दी गई है।

कार्यालय : नगर पालिका परिषद- सिद्धार्थनगर, जनपद- सिद्धार्थ नगर

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका सीमान्तर्गत पूर्व में स्थापित वाटर कूलर/वाटर ए०टी०एम०/आर०ओ० की मरम्मत एवं एक वर्ष के मेंटनेंस कराया जाना है। उक्त कार्य हेतु दिनांक 21/07/25 को 02:00 समय बजे तक निविदा आमन्त्रित किया जाता है। जो दिनांक 21/07/2005 को समय 03:00 बजे उपस्थित निविदादाता/उनके प्रतिनिधियों के समक्ष नगर पालिका कार्यालय पर खोला जायेगा। निविदादाता निर्धारित तिथि तक नगर पालिका कार्यालय पर निविदा शर्तों के अधीन निविदा में प्रतिभाग कर सकते हैं। वाटर कूलर/वाटर ए०टी०एम०/आर०ओ० की मरम्मत एवं एक वर्ष के मेंटनेंस कार्य से सम्बन्धित नियम व शर्तें निम्नवत है–

नियम व शर्तें

1. निविदादाता द्वारा वाटर कूलर / वाटर ए०टी०एम०/ आर०ओ० में लगने वाले समस्त सामग्रीयों की दर प्रति अंक में देना अनिवार्य होगा।
2. यह कि निविदा दाता को निविदा के साथ जमानत धनराशि के रूप में रू0–50000.00 (पचास हजार मात्र) का एफ०डी०आर० संलग्न करना अनिवार्य होगा। जो अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के नाम से बंधक होगा।
3. यह कि निविदादाता निर्धारित तिथि व समय तक नगर पालिका कार्यालय से रू0–500.00 मात्र जमा करके निविदा फार्म प्राप्त कर सकते है।
4. यह कि शशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी एवं निविदा फार्म पर सामग्रीयों की दर स्पष्ट रूप से अंकित किया जायेगा। किसी भी दशा में ओवार राइटिंग इत्यादि स्वीकार नहीं किया जायेगा।
5. यह कि उक्त निविदा को कभी भी निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा।
6. निविदादाता के बिल से नियमानुसार कटौती की जायेगी। जो सर्वमान्य होगा।
7. निविदा में अर्ह फर्म द्वारा वाटर कूलर/वाटर ए०टी०एम०/आर०ओ० के मरम्मत के उपरान्त एक वर्ष का मेंटनेंस कार्य करना होगा। मेंटनेंस कार्य हेतु एक मुश्त भुगतान किया जायेगा। तत्पश्चात उक्त मशीन में कुछ भी खराब होने की दशा में दो दिवस के भीतर वाटर कूलर/वाटर ए०टी०एम०/आर०ओ० मरम्मत कार्य करना अनिवार्य होगा।
8. निर्धारित समयावधि में मरम्मत न करने की दशा में जमा जमानत धनराशि जब्त करते हुए उक्त निविदा निरस्त कर दी जायेगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

पत्रांक: 662 / न०पा०परि०सि०न० / 2025–26 दिनांक: 11/07/2005

केबल ब्लास्ट होने से आपूर्ति ठप, लोग परेशान

देवरिया। स्थानीय विद्युत उपकेंद्र से लगे सारे फीडरों की आपूर्ति दोपहर से गुल रही। सलेमपुर रेलवे क्रॉसिंग के समीप केबल ब्लास्ट होने सप्लाई दिन के एक बजे से ही बंद हो गई। गर्मी व भीषण उमस से लोग काफी परेशान हाल रहे। एसडीओ अभिषेक कुशवाहा ने बताया कि सलेमपुर रेलवे लाइन क्रॉसिंग पर केबल ब्लास्ट होने से दिक्कत आई है, उसे ठीक किया जा रहा है, देर रात आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

कुश्ती के लिए मिला नया प्रशिक्षक

देवरिया। खेल निदेशालय की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में कुश्ती प्रतियोगिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्षेत्र के मझना स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में खाली चल रहे कुश्ती कोच के कमल चौहान की तैनाती की गई है। इनकी तैनाती से स्टेडियम में तीन प्रशिक्षक हो गए हैं। एथलीट के विश्वजीत व कबड्डी प्रशिक्षक राजकुमार पहले से ही यहां तैनात हैं। कुश्ती कोच की तैनाती से खिलाड़ियों में हर्ष का माहौल है।

कंपार्टमेंट प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए तैनात किए गए परीक्षक

देवरिया। कंपार्टमेंट प्रयोगात्मक परीक्षा 11 व 12 जुलाई को राजकीय इंटर कॉलेज में होगी। इस परीक्षा में 1100 से अधिक परीक्षार्थी पंजीकृत हुए हैं। यूपी बोर्ड परीक्षा–2025 में प्रयोगात्मक विषयों में कम अंक पाए या फेल हुए परीक्षार्थियों के लिए कंपार्टमेंट परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए जिले में केवल केंद्र शहर के जीआईसी को बनाया गया है। डीआईओएस शिवनारायण सिंह ने बताया कि प्रयोगात्मक परीक्षा 11 व 12 जुलाई को जीआईसी में होगी। इसके लिए भौतिक विज्ञान के लिए जीआईसी के गोविंद सिंह, रसायन विज्ञान के लिए बीआरडी इंटर कॉलेज के नंदजी ओझा, जीव विज्ञान के लिए जीआईसी के सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, भूगोल के लिए बीआरडी इंटर कॉलेज के राघवेंद्र पांडेय व गृहविज्ञान के लिए शहर के जीजीआईसी की शांति राय को बोर्ड की ओर से परीक्षक तैनात किया गया है। इन्हीं की देखरेख में दो दिनों तक कंपार्टमेंट प्रयोगात्मक परीक्षा आयोजित होगी। इसके बाद इनकी रिपोर्ट को बोर्ड को भेजा जाएगा।

पयागपुर में 30 बेड का खुलेगा आयुर्वेदिक अस्पताल, शासन ने दी मंजूरी

पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी के प्रयासों द्वारा हुआ संभव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर/ बहराइच। लंबे अर्से से बाट जोह रहे पयागपुर को उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा 30 बेड वाले आयुर्वेदिक अस्पताल खोलने की मंजूरी मिली है जिससे पयागपुर के क्षेत्र वासियों को इस 30 बेड वाले अस्पताल में आयुर्वेदिक इलाज कराने में काफी फायदा एवं सहूलियत मिलेगा। पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी के अथक प्रयासों के द्वारा यह संभव हुआ है। एक बात यहां यह कहना आवश्यक है कि पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी अपनी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर हर समय सजग रहते हैं और शासन से हर तरह की योजनाएं लाने के लिए प्रयासरत रहते हैं, इसी के तहत 30 बेड वाले आयुर्वेदिक अस्पताल को खुलवाने में पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी का बहुत बड़ा प्रयास रहा उनके इस प्रयास की सभी क्षेत्रवासी प्रशंसा करते हैं। मिली जानकारी अनुसार पयागपुर में 30 बेड वाले आयुर्वेद अस्पताल खोलने की मंजूरी सरकार ने प्रदान की है। अस्पताल खोलने के लिए कोट बाजार में पुरानी तहसील के निकट ही जमीन चिन्हित करके शासन को भेजी गई थी। जिसको उत्तर प्रदेश शासन ने स्वीकार करके अस्पताल खोलने की मंजूरी प्रदान कर दी। इस अस्पताल में आयुर्वेद के साथ ही, यूनानी, योग व होम्योपैथ की सुविधा मिलेगी। इस अस्पताल के निर्माण के लिए सरकार 10.5 करोड़ (साढ़े दस करोड़ रुपए) खर्च करेगी।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के समापन पर विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

भक्तगणों ने भंडारे में किया प्रसाद ग्रहण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत पेटराही स्थित सिर्वोरा गोरारी गांव में संत श्री कामेश्वर जी शिक्षा एवं जन विकास सेवा आश्रम पर बृहस्पतिवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में भक्तगणों ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन तीन जुलाई से नौ जुलाई तक हुआ। जिसमें प्रतिदिन सायं चार बजे से सात बजे तक पंडित अरुण प्रभा शास्त्री जी महाराज के मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कर भक्तिमय वातावरण में भक्तगण लीन रहे। 9 जुलाई बुधवार को आखिरी दिन की कथा समाप्ति के बाद पूर्णाहुति हुई। कथा समाप्ति के बाद बृहस्पतिवार को शाम चार बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जो देर रात्रि तक चला। जिसमें उपस्थित संतजनों के अलावा गांव घर व आसपास के गांवों व दूर–दराज से आए भारी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। बता दें कि संत श्री कामेश्वर जी महाराज ने संत श्री कामेश्वर जी शिक्षा एवं जन विकास सेवाश्रम ट्रस्ट का निर्माण कर वैदिक गुरुकुल, गौशाला और वृद्धाश्रम का निर्माण करवाने का संकल्प लिया है। इस मौके पर आचार्य सूरज पांडेय के तत्वावधान में पूजन का कार्य व अध्यक्ष कामेश्वर पांडे के तत्वावधान में विशाल भंडारे का आयोजन सकुशल संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्यामा प्रसाद पांडे, बृजेश पाठक, राजेश कुमार पाठक, यशवंत देव पांडे, पंचमुखी के प्रधान पुजारी लक्ष्मण दुबे, पंडित सुरेश मिश्र, शिवा तिवारी आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

जिला विद्युत समिति की बैठक सांसद की अध्यक्षता में हुई सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। सांसद बहराइच डॉ. आनन्द कुमार गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विद्युत समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जनपद में विद्युत आपूर्ति की स्थिति, ट्रांसफार्मर, लाइन, सबस्टेशन सम्बन्धी शिकायतों एवं समाधान, सौभाग्य योजना, आरडीएसएस, स्मार्ट मीटर और सोलर रूफटॉप योजनाओं की प्रगति, उपभोक्ताओं की समस्याओं का निस्तारण एवं शिकायत निवारण, मानसून सीजन में संभावित विद्युत व्यवधानों की पूर्व तैयारी, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से प्राप्त सुझावों पर अमल के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई। सांसद बहराइच ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनप्रतिनिधियों व उपभोक्ताओं की ओर से प्राप्त होने वाले फोन काल को अनिवार्य रूप से रिसीव कर उनसे शिष्ट व्यवहार करते हुए बतायी गयी समस्या का समाधान कराया जाय। डॉ. गौड़ ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी क्षेत्रों में समान रूप से जांच की कार्यवाही की जाय तथा जांच के दौरान माननीय संवेदना के साथ नियमानुसार कार्यवाही की जाय। बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों की ओर से सुझाव प्राप्त हुए कि विभागीय अधिकारियों के साथ अलग से समीक्षा बैठक आयोजित कर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने हेतु विद्युत सब स्टेशनों की स्थापना के सम्बन्ध में सुझाव प्राप्त कर तदनुसार शासन को प्रस्ताव भेजा जाय। बैठक में निर्णय लिया गया कि समिति से अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात ही भुगतान की कार्यवाही की जाय। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को निर्देश दिया कि विभाग द्वारा विधानसभावार कराये गये कार्यों की सूची जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध करा दें तथा विभागीय योजनाओं अन्तर्गत परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी जनप्रतिनिधियों से कराया जाय। बैठक में विधान परिषद सदस्य पदमसेन चौधरी, विधायक महसी सुरेश्वर सिंह, पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, नानपारा राम निवास वर्मा, सांसद कैसरगंज करन भूषण सिंह के प्रतिनिधि सुनील सिंह, विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि अशोक जायसवाल, विधायक पयागपुर के प्रतिनिधि निशंक त्रिपाठी, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत बी.के. राजपूत, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड बहराइच शैलेन्द्र कुमार, कैसरगंज प्रबुद्ध राजपूत, नानपारा रजीत कुमार, अधि. अभि. कार्यशाला गौरव तिवारी, भण्डार पी.सी. राम सहित एसडीओ, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता तथा अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

वैश्य समाज कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, का मनाएगा पुर्नजन्म दिवस

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। वैश्य समाज के संरक्षक राजीव रस्तोगी के नेतृत्व एवं वैश्य समाज के देवीपाटन मंडल अध्यक्ष रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी ने गोंडा के दुष्यंत कमलापुरी ज्ञान को प्रदेश अध्यक्ष अजय केसरी के निर्देशन के क्रम में वैश्य समाज का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया जनपद गोंडा में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज छेदी पुरवा स्टेशन रोड गोंडा पर स्थित राम जानकी मंदिर के ठीक सामने दुष्यंत कमलापुरी ज्ञान पूर्व सभासद के आवास पर कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी द्वारा संचालित संगठन वैश्य समाज उत्तर प्रदेश की एक बैठक की गयी जिसमें मुख्य अतिथि राजीव रस्तोगी संरक्षक वैश्य समाज विशिष्ट अतिथि रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी अध्यक्ष देवीपाटन मंडल वैश्य समाज को स्मृति चिन्ह बुके देकर व सभी पदाधिकारी के लोगों ने भी अतिथियों का दिल खोलकर स्वागत किया कार्यक्रम का नेतृत्व दुष्यंत कमलापुरी ज्ञान पूर्व सभासद ने किया अध्यक्षता करते राजेंद्र कुमार गुप्ता वैश्य समाज ने किया दुर्गा प्रसाद सोनी ने मंच संचालन किया जिसमें मुख्य अतिथि राजीव रस्तोगी संरक्षक ने बताया कि माननीय कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी जी जो कि 15 वर्ष पूर्व एक साजिश के तहत आर डी एक्स बम से भयंकर क्षतिग्रस्त हो गए थे और सभी की प्रार्थना से उन्हें कई महीने आईसीयू में रहकर सबके बीच में वापस आए थे वह उस दिवस को ध्यामादी साहस दिवस 12 जुलाई को अपना पुनर्जन्म दिवस के रूप में मनाते हैं व रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी देवीपाटन मंडल अध्यक्ष ने बताया की 12 जुलाई को पूरे उत्तर प्रदेश के हर जिले में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी जी का पुनर्जन्म दिवस मनाया जाएगा जिसमें दुष्यंत कमलापुरी ज्ञान जिलाध्यक्ष वैश्य समाज गोंडा ने बताया कि कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के पुनर्जन्म दिवस पर स्टेशन रोड पर स्थित श्री राम जानकी मंदिर पर पूजा पाठ व महा रुद्राभिषेक करने के बाद प्रसाद बांटा जाएगा बैठक में एक नवीन घोषणा करते वैश्य समाज के संरक्षक राजीव रस्तोगी के नेतृत्व में एवं वैश्य समाज के देवीपाटन मंडल अध्यक्ष रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी ने गोंडा के पूर्व सभासद दुष्यंत कमलापुरी ज्ञान को वैश्य समाज का जिलाध्यक्ष मनोनयन किया बैठक में दुर्गा प्रसाद सोनी, संदेश गर्ग, राजेंद्र कुमार गुप्ता, विश्वनाथ गुप्ता, देवा गुप्ता, छोटू कमलापुरी अभिषेक गुप्ता, अविनाश कुमार गुप्ता वैभव गुप्ता, शिखरदीप गुप्ता बृजलाल जायसवाल, प्रभु नाथ कमलपुरी, गोरख प्रसाद, शिवानंद गुप्ता, पवन गुप्ता, राहुल अग्रवाल, आदित्य कमलापुरी पंकज गुप्ता, न्ना कुमार उर्फ सोनू कमलापुरी, डॉक्टर हरिश्चंद्र गुप्ता, रमेश चंद्र गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता, महेश कुमार गुप्ता राम नरेश जायसवाल आदि काफी संख्या में लोग वैश्य समाज के बैठक में मौजूद रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पयागपुर पर विधायक सुभाष त्रिपाठी ने किया वृक्षारोपण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर/ बहराइच। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण महाभियान 2025 के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम के शुभ

अवसर पर सीएचसी पयागपुर परिसर में विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, निशंक त्रिपाठी व अधीक्षक वीरेंद्र त्रिपाठी व अन्य उपस्थित सम्मानितजनों स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। सभी लोगों ने साथ मिलकर संकल्प लिया कि धरती को हरा भरा रखने के लिए वृक्षारोपण करना मानव जीवन के लिए बहुत हुई अमूल्य है। हीट वेव्स को हरित वेव्स में कन्वर्ट करने में वृक्षों का बहुत बड़ा योगदान है जहां वृक्ष ज्यादा होते हैं वहां का तापमान कम होता है और जहां पर वृक्ष नहीं होते हैं वहां का तापमान अधिक होता है। धरती को नष्ट होने से बचाने के लिए हर वर्ष सभी लोगों को वृक्षारोपण करना चाहिए। साथ ही साथ लाभार्थियों को एक वृक्ष रोपित करने हेतु सप्रेम भेंट किया गया, जिसके अंतर्गत सागौन आम अमरूद और आंवला समेत कई वृक्ष रोपित किये गये। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पयागपुर में कार्यरत सभी डॉक्टर्स और कर्मचारी स्टाफ नर्स सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

गौशालाओं में क्रिटिकल गैप योजनान्तर्गत स्थापित होंगी सोलर लाईटें, बाउण्ड्रीवाल का होगा निर्माण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। क्रिटिकल्स गैप योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 अन्तर्गत शासन द्वारा रू. 02.00 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है। योजनान्तर्गत उपलब्ध धनराशि रू. 1.40 करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों तथा रू. 60 लाख की धनराशि शहरी क्षेत्र के विकास में व्यय की जायेगी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित गोआश्रय स्थलों में रू. 1.40 लाख की लागत से 03–03 के.वी.ए. क्षमता के सोलर पावर प्लान्ट की स्थापना तथा बाउण्ड्रीवाल के निर्माण के लिए स्वी.ति प्रदान करते हुए सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारियों को स्टीमेट उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये।

उल्लेखनीय है कि शहरी क्षेत्र अन्तर्गत क्रिटिकल गैप मद में उपलब्ध धनराशि के सापेक्ष रू. 40 लाख की लागत से जिला सूचना विज्ञान केन्द्र में वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष का निर्माण कराया जा रहा है। डीएम मोनिका रानी ने जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी घासी राम को निर्देश दिया कि क्रिटिकल गैप योजनान्तर्गत 2022–23 व 2023–24 में कराये गये कार्यों का उपयोगिता प्रमाण–पत्र उपलब्ध करायें। डीएम ने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि वर्षा ऋतु के दृष्टिगत अपने अपने क्षेत्र के गड्ढों और तालाबों में गहरे पानी का संकेतक लगवा दें ताकि अप्रिय घटना से बचा जा सके। बीडीओ को निर्देश दिया गया कि श्रावण मास के दौरान कावड़ यात्रा के मद्देनजर मन्दिरों, घाटों व मार्गों की समुचित साफ–सफाई, प्रकाश तथा बैरिकेटिंग इत्यादि के बेहतर प्रबन्ध किये जायें। कावड़ मार्गों पर यदि कहीं पर जलभराव की स्थिति हो तो उसे भी दुरूस्त करा दिया जाय। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, खण्ड विकास अधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

कूटरचित दस्तावेज तैयार कर पानी को कर्बला की जमीन बता कर हड़पने का प्रयास करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। बच्चा राम लेखपाल सदर तहसील बलरामपुर द्वारा तहरीरी सूचना दिया कि सुन्नी वक्फ बोर्ड कर्बला तहफ्फुज कमेटी बलरामपुर के सचिव सैय्यद उर्फ सईद अहमद खान पुत्र गुलाम मोहम्मद खान द्वारा उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ में दाखिल याचिका वक्फ बोर्ड कर्बला कमेटी बनाम उ0प्र0 राज्य में संलग्न खतौनी 1402क की छाया प्रति में हेरा फेरी कर कूट रचना कर कर्बला शब्द बढ़ा दिया है, जबकि वास्तविक खतौनी में खातेदार के कॉलम में पानी दर्ज है, कर्बला शब्द अंकित नहीं है, जिसके संबंध में थाना कोतवाली नगर पर मु0अ0स0 96/25 धारा 319(2), 318(4), 338, 336 (3), 340(2) बी0एन0एस0 पंजी.त किया गया। शुक्रवार को अभियुक्त सैय्यद उर्फ सईद अहमद खान पुत्र गुलाम मोहम्मद खान (सचिव सुन्नी वक्फ बोर्ड कर्बला तहफ्फुज कमेटी) निवासी मो0 गदुरहवा उत्तरी थाना को0 नगर जनपद बलरामपुर हाल पता 529/425 मो0 नई बस्ती रहीम नगर थाना महानगर जनपद लखनऊ को नई बस्ती रहीम नगर थाना महानगर जनपद लखनऊ से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही कर न्यायालय रवाना किया जा रहा है। अभियुक्त द्वारा पूछताछ पर बताया गया कि उक्त जमीन के सम्बन्ध में हम मुस्लिम लोगों में चर्चा थी कि इस जमीन को कैसे भी कर्बला साबित कर अपना बनाना है कहीं जमीन हाथ से न निकल जाये। सुन्नी वक्फ बोर्ड कर्बला तहफ्फुज कमेटी बलरामपुर का सचिव होने के नाते मेरे द्वारा उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ में याचिका दायर किया था। जिसमें मेरे द्वारा उस जमीन के कागजात में कूटरचना कर याचिका में संलग्न किया गया था।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत प्रदेश के युवा हो रहे है आत्मनिर्भर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। प्रदेश के शिक्षित बेरोजगार युवकों की बेरोजगारी की समस्या दूर करने और प्रदेश के हुनरमंद व कर्मठ युवाओं को अपने पैरो पर खड़ा करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की शुरूआत की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को अपना उद्योग शुरू कर स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 25 लाख रूपये तक एवं सेवा क्षेत्र हेतु 10 लाख रू० तक ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। इसमें प्रदेश सरकार द्वारा 25 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान लाभार्थी को उपलब्ध कराया जाता है, जो कि उद्योग क्षेत्र हेतु अधिकतम रू0 6.20 लाख तथा सेवा क्षेत्र हेतु रू0 2.50 लाख तक देय होता है। जो उद्यम के दो वर्ष तक सफल संचालन के उपरान्त अनुदान में परिवर्तित हो जाता है। प्रदेश में बहुत से ऐसे युवा है जो शिक्षित और किसी न किसी ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बावजूद आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण अपना खुद का कोई उद्योग, स्वरोजगार शुरू नहीं कर पाते। मुख्यमंत्री जी का ध्येय है कि राज्य के ऐसे युवा इस योजना के अन्तर्गत आवेदन करें और अपना रोजगार शुरू करें। इसके लिए सरकार उनकी आर्थिक सहायता करेगी। प्रदेश के युवाओं को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनान्तर्गत लाभान्वित कराते हुए उनको आत्मनिर्भर एवं सशक्त तथा आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाने के लिए सरकार बड़ी तेजी से कार्य कर रही है। दूसरे राज्यों में काम करने वाले उत्तर प्रदेश के अर्द्धकुशल, कुशल श्रमिक, कारीगर, शिक्षित युवा प्रदेश में वापस आये है। इन श्रमिकों को स्थाई रोजगार देने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ी तत्परता से कार्य किया है। इसके तहत सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों से जुड़ी कई योजनाओं को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लाया है। जहाँ से कोई भी पात्र व्यक्ति आवेदन कर सकता है। प्रदेश सरकार बेरोजगार युवाओं को खुद का उद्योग स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना को बढ़ावा दे रही है। इस योजना के अन्तर्गत लाभ लेने के लिए यह जरूरी है कि लाभार्थी उत्तर प्रदेश का मूल निवासी हो और बेरोजगार हो। आवेदनकर्ता की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच की होनी चाहिए। और वह किसी बैंक का डिफाल्टर न हो। लाभार्थी को कम से कम हाईस्कूल पास होना जरूरी है तथा इस योजना के अन्तर्गत लाभ लेने के पहले से इस तरह की किसी अन्य योजना का लाभ न उठा रहा हो। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनान्तर्गत आवेदनकर्ता को आनलाईन आवेदन करना होता है। आवेदनकर्ता के पास जन्मतिथि सम्बन्धी हाईस्कूल प्रमाण पत्र, आधारकार्ड, वोटर आई०डी० कार्ड, उ०प्र० का स्थाई निवासी होने का प्रमाणपत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाणपत्र, उद्योग स्थापित करने के लिए भूमि/भवन का विवरण अभिलेख, मशीनरी उपकरण, साज-सज्जा हेतु वर्तमान दरों के कोटेशन, जाति प्रमाण पत्र, यदि उद्यमिता विकास प्रशिक्षण प्राप्त किया है तो उसका प्रमाण पत्र, बी०पी०एल० राशनकार्ड की प्रतिलिपि आदि अभिलेखों का आवेदन करते समय लगाने पड़ते है। वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद जिला स्तर पर जिला चयन समिति के माध्यम से जिला उद्योग केन्द्र द्वारा सम्बन्धित उद्योग के ऋण आदि की पत्रावली बनाकर अभिलेखों सहित सम्बन्धित बैंको को भेजी जाती है जहाँ से लाभार्थी को ऋण उपलब्ध कराया जाता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी की इस महत्वाकांक्षी योजना का प्रदेश के हजारों बेरोजगार युवा लाभ उठाते हुए आत्मनिर्भर हो रहे है। इस योजनान्तर्गत जनवरी, 2025 तक 22,619 लाभार्थियो को लाभान्वित करते हुए रू087937.44 लाख से अधिक धनराशि मार्जिन मनी के रूप मे वितरित किया गया है। इस योजनान्तर्गत 2,27,352 से अधिक लाभार्थियों के लिए रोजगार का सृजन हुआ है। युवाओं द्वारा लगाने जा रहे, उद्यमों से अन्य लोगों को भी रोजगार मिल रहा है साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हो रही है।

शिवद्वार मंदिर में एंटी स्नैक एक्टिविटी करायी गयी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। शिवद्वार मंदिर, घोरावल में एन्टी स्नैक एक्टिविटी शुक्रवार को हेड कांस्टेबल मनीष कुमार सिंह की उपस्थिति में कराया गया। इसके पूर्व मंदिर के मुख्य पुजारी श्री सुरेश गिरि जी महाराज एवं सीओ घोरावल राहुल पांडे जी से मिलकर अनुमति प्राप्त की गई एवं विस्तार से उपयोग की जानकारी जिला मलेरिया अधिकारी के द्वारा प्रदान की गई। इस दौरान मंदिर परिसर के अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों – दर्शनार्थियों के रूकने के स्थान एवं शौचालय के आसपास भी एन्टी स्नैक एक्टिविटी कराई गई। इस मौके पर श्री कुमार शुभम, वीबीडी कंसल्टेंट, डॉक्टर सुनील कुमार एमओ, अमित सिंह एवं पंकज प्रसून फार्मासिस्ट, घोरावल उपस्थित रहे।

शिव शक्ति महिला मंडल ने किया रुद्राभिषेक

श्रावण मास भर चलेगा रुद्राभिषेक कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। रामगढ़ कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर में शिव शक्ति महिला मंडल द्वारा श्रावण मास के पहले दिन शुक्रवार से रुद्राभिषेक कार्यक्रम शुरू हो गया।

इस दौरान समूचा शिव मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया। यह कार्यक्रम समूचे सावन माह तक चलेगा। सावन माह के पहले दिन शिव शक्ति महिला मंडल की संरक्षिका विमला देवी, भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्य, शिव शक्ति महिला मंडल की उपाध्यक्ष खुशबू मौर्य व पंडित रेवती तिवारी को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य राधे श्याम तिवारी ने गंगाजल, दूध, दही, शहद से रुद्राभिषेक पूजन कराया। भिक्षुक भिखारी रमाशंकर गिरी उर्फ जंगली बाबा ने बताया कि शिव शक्ति महिला मंडल की ओर से प्रतिदिन सावन माह भर रुद्राभिषेक किया जाएगा। साध्वी, भगवती, कालो देवी, हीरा, परमानंद, विवेकानंद, डाक्टर विजय, उर्मिला देवी, भईया लाल, करुणा सिंह, इन्द्रपति पाण्डेय, मनोज केशरी, रितिका केशरी, कलावती चौबे, रामा देवी, सुकराम महाराज, राजेंद्र महाराज, मुन्ना महाराज, अनय समेत तमाम भक्तों ने पूजन अर्चन किया। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया।

पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा ने देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने की मांग की

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अलग पूर्वांचल राज्य की मांग कर रहे संगठन पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव अधिवक्ता पवन कुमार सिंह ने अधिवक्ता भवन तहसील परिसर राबर्ट्सगंज सोनभद्र में विश्व जनसंख्या दिवस पर मांग किया कि हमारे देश में बढ़ती जनसंख्या के कारण भारी मात्रा में खाद्यान्न संकट उत्पन्न हो रहा है। अलबत्ता जिसके कारण देश में भुखमरी, पानी व बिजली की समस्या, आवास की समस्या, अशिक्षा का दंश, चिकित्सा की बदइंतजामी व रोजगार के कम होते विकल्प इत्यादि प्रकार की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। विश्व की जनसंख्या सात अरब से ज्यादा है। अकेले भारत की जनसंख्या लगभग 1 अरब 45 करोड़ के आसपास है। भारत विश्व का सबसे अधिक

जनसंख्या वाला देश है। आजादी के समय भारत की जनसंख्या 33 करोड़ थी जो आज पांच गुना तक बढ़ गयी है। परिवार नियोजन के कमजोर तरीकों, अशिक्षा, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के अभाव, अंधविश्वास और विकासात्मक असंतुलन के चलते आबादी तेजी से बढ़ी है। संभावना है कि 2050 तक देश की जनसंख्या 1.6 अरब हो जायेगी। फिलहाल भारत की जनसंख्या विश्व जनसंख्या का 18.5 फीसद है। भूभाग के लिहाज के हमारे पास 2.5 फीसद जमीन है। 4 फीसद जल संसाधन है। जनसंख्या नियंत्रण, सतत विकास सुनिश्चित करने, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए आवश्यक है, जनसंख्या वृद्धि से संसाधनों पर दबाव पड़ता है जिससे पर्यावरण क्षरण, गरीबी और अन्य सामाजिक समस्याएं हो सकती है। विश्व जनसंख्या दिवस पर पर देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू किया जाए।

सवर्ण आर्मी अपने मुद्दों पर दलों का समर्थन करेगी : सुरज प्रसाद चौबे

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। सावन के प्रथम दिन शिवद्वार (घोरावल) भगवान

शिव का दर्शन करने के बाद भरौली सुरेन्द्र नाथ तिवारी के यहां आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हुए सवर्ण आर्मी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सूरज प्रसाद चौबे उपस्थित सवर्ण समाज के बीच बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इटावा में हुई सवर्ण ब्राह्मण के साथ घटना से हमे सीखना होगा कि एक वर्ग यादव चारों तरफ से ब्राह्मण महिलाओं को अभद्र भाषा सोशल मीडिया पर बोल रहे हैं, यहां तक की कुछ जगहों पर ब्राह्मणों पर प्राणघातक हमला भी किया गया, लेकिन राजनीतिक दल, दल से जुड़े सवर्ण नेता अपने समाज के लिए कुछ भी नहीं बोल रहे हैं, मैं अखिलेश यादव जो की पूर्व मुख्यमंत्री है एक राजनीतिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं यह एक फ्राड के साथ खड़े हैं, हर पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यक, अनुचित जाती के नेता अपने समाज की बात मजबूती से कर रहा है लेकिन सवर्ण नेता वोट के समय सवर्ण बनकर वोट मांगते है हमे इनका बहिष्कार करना होगा, सवर्ण आर्मी अपने मुद्दों पर दलों का समर्थन करेगी, सवर्ण भी गरीब है उनको दो वक्त की रोटी मिलना मुश्किल है पर यह संविधान, सिस्टम इन्हें अरबपति मानता है, दस प्रतिशत आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया गया लेकिन अन्य वर्ग के आरक्षण में देय आयु सीमा में छूट आदि आरक्षण में नहीं है जिस को लेकर 13 जुलाई को दिल्ली के मुखर्जी में सवर्ण महापंचायत आयोजित की गई है, ऐसे बहुत से विषय में हमे सोचना होगा आश्वासन पर लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती है आश्वासन पे लड़ेंगे तो मार दिए जायेंगे, आप कितने भी धनवान हो आप के सुरक्षा की गारंटी नहीं है आप संगठित हो सुरक्षा की गारंटी है प्रमुख रूप से एडवोकेट उच्च न्यायालय बृजेश देव, काशी हिंदु विश्वविद्यालय के पूर्व कुल सचिव मार्कण्डेय पाठक, राजेन्द्र प्रसाद पांडेय, अमित कुमार, अवधेश कुमार चौबे, शशांक, पूर्व प्रधानाचार्य रमाकांत दुबे आदि उपस्थित रहे।

नहाते समय बाउली में डूबने से कक्षा एक के छात्र की मौत

बभनी थाना क्षेत्र के सतबहनी नवाटोला गांव की घटना

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र के सतबहनी नवाटोला गांव में वृहस्पतिवार के शाम को नहाने गए बाउली में में डूबने से कक्षा एक के छात्र की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भिजवा दिया। जानकारी के अनुसार सतबहनी नवाटोला गांव निवासी रामकिसुन का पांच वर्षीय पुत्र दीपक अपने साथियों के साथ स्कूल से आने के बाद घर से पांच सौ मीटर दूर बाउली में नहाने गया था। नहाते समय दीपक गहरे पानी में चला गया। गहरे पानी में जाने के बाद वह डूबने लगा। दीपक को पानी में डूबते देख दूसरे साथी भागकर घर आये और परिजनों को बताया। परिजन दौड़कर बाउली पर गये तब तक दीपक पानी मे नीचे चला गया था। घंटों बाद किसी तरह से दीपक को पानी से बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पानी से शव को बाहर निकलते ही चीख–पुकार शुरू हो गई। लोगों घटना की सूचना ग्राम प्रधान और बभनी पुलिस को दिया। सूचना मिलते प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल घटनास्थल पर पहुंच गए और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भिजवा दिया। मृतक तीन बहन और दो भाइयों में बड़ा भाई था। घटना की सूचना क्षेत्रीय लेखपाल को भी दे दिया गया है।

सैनिक बंधू की बैठक 17 जूलाई को

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। कैप्टन (नौ सेना) आशुतोष चौधरी (अ0प्रा0) जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी सोनभद्र ने जनपद के समस्त भूतपूर्व सैनिकों/दिवंगत सैनिकों की पत्नियों एवं उनके आश्रितों को सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश शासन के आदेश के अनुसार जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित जिला सैनिक बन्धु की बैठक का आयोजन 17 जुलाई, 2025 दिन बृहस्पतिवार समय 11.30 बजे मुख्य विकास अधिकारी, जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में आहूत की गयी है। उन्होंने समस्त भूतपूर्व सैनिक/दिवंगत सैनिकों की पत्नियों एवं उनके आश्रित, उक्त तिथि समय एवं स्थल पर सैनिक बन्धु की बैठक में प्रतिभाग के लिए अपील किये हैं।

गोंगपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंच किया प्रदर्शन

दबंगों पर घर ढहाने, जमीन हड़पने व दहशत फैलाने का लगाया आरोप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) कार्यकर्ताओं ने दबंगों से परेशान दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के दर्जनों गांवों से आए आदिवासियों के साथ शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंच कर प्रदर्शन किया और अपने 20 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एडीएम रमेशचंद्र यादव को सौंपा। इसके अलावा एसपी एके मीणा से मुलाकात कर जानमाल की सुरक्षा की मांग उठाई। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष रामनरेश पोया ने कहा कि आदिवासियों का उत्पीड़न किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए चाहे जितना बड़ा संघर्ष क्यों न करना पड़े किया जाएगा। जिला प्रवक्ता एडवोकेट संतोष कुमार ने कहा कि दबंगों द्वारा आदिवासियों का घर व मकान ढहा दिया गया है। जमीन भी हड़पने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा दहशत भी फैलाया जा रहा है। जिसकी वजह से आदिवासियों का जीना दुश्वार हो गया है। अगर शीघ्र मामले को गम्भीरता

से नहीं लिया जाता तो किसी भी दिन बड़ी घटना घटित हो सकती है। दिए ज्ञापन पत्र में आरोप लगाया गया है कि दबंगों द्वारा बाबूलाल, रामसुंदर, रामप्रसाद, लालबहादुर, अमृतलाल, रीता देवी व लीलावती की जमीन हड़पने व घर ढहाने का प्रयास किया जा रहा है। आए दिन जाति सूचक शब्दों से गाली देकर अपमानित करने के साथ ही दहशत फैलाने का काम किया जा रहा है। दबंगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने, जानमाल की सुरक्षा करने, आदिवासी इलाकों में निःशुल्क दवा वितरण कराए जाने, आंगनवाड़ी केंद्र खोले जाने, कल कारखानों में नौकरी के साथ ही रोजगार दिलाने, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पानी, फोन आदि मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने की मांग की गई है। दोनों अधिकारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने एवं दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रदर्शन कर ज्ञापन देने वालो में प्रमुख रूप से बघाडू, चवना, धुमा, विंधही, पन्नो गांवों से आए आदिवासी बाबूलाल अरमो, अमर सिंह मरकाम, राजेश्वर, शेर सिंह, सुदेश, रामसुंदर, रामजीत कोरचो, खतिन्दर मरकाम, रीता देवी, रजनी गोंड, लीलावती देवी, बलवंत सिंह, धनपतिया, पार्वती, मानकुंवर, मीना देवी, अनीता, दौलतिया, देवकुमार, देवमूरत पोया, अरुण कुमार, रामप्रकाश, रजवंती, प्रमिला, रामरतन, अमृत सिंह, रामफल, गंगाराम, वैचन सिंह, माया देवी, मनमतिया देवी, सुनीता देवी आदि मौजूद रही।

गुरु पूर्णिमा पर सत्संग का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। गुरु पूर्णिमा पर घोरावल में गुरु पूजा एवं सत्संग का आयोजन संपन्न। बृहस्पतिवार की शाम घोरावल तहसील क्षेत्र के ग्रामीण एवं नगरीय अंचलों में गुरु पूजा एवं सत्संग तथा भंडारे का आयोजन किया गया। परसौना ग्राम स्थित मड़ ईया बाबा आश्रम पर बृहस्पतिवार की सुबह से ही गुरु भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने गुरु पूजा सत्संग एवं भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा घोरावल नगर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर वृक्षारोपण एवं पौध वितरण किया गया। इसके पश्चात देर शाम गुरु पूजा, सत्संग एवं प्रसाद वितरण का आयोजन संपन्न हुआ। उक्त अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक लक्ष्मी चंद, विकास केडिया, रमेश शर्मा, नंदलाल उमर, श्याम कुमार किसानू, अमरेश चंद, राजेंद्र कुमार मानव, श्यामा प्रसाद विश्वकर्मा, हरिप्रकाश वर्मा, रविंद्र कुमार, सुनदा देवी चांदनी देवी, पवन कुमार सुरेश कुमार मौर्य, सहित लोग उपस्थित रहे।

वन भूमि पर जुताई कर रहा ट्रैक्टर पकड़ा कर की विधि करवाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। वन रेंज के अंतर्गत अति दुरूह जंगल व पहाड़ों से घिरा वन रेंज के अंतर्गत औराडंढी कंपार्टमेंट नंबर 2 में आरक्षित वन भूमि पर बीती रात्रि को एक ट्रैक्टर के द्वारा अवैध रूप से खेती करने के लिए जुताई कर रहे ट्रैक्टर को वन रेंजर इमरान खान के नेतृत्व में वन कर्मियों ने पकड़ा, जिसे रेंज कार्यालय पर लाकर वन अधिनियम की धारा 5/26 एवं 69 के तहत कार्यवाई की गई है। रेंजर इमरान खान ने बताया कि वन रेंज के अंतर्गत औराडंढी वन क्षेत्र के कंपार्टमेंट नंबर दो में आरक्षित वन भूमि की जमीन पर कोन थाना क्षेत्र के भालू कुदर पुरानडीह निवासी रामलाल के द्वारा पांच अज्ञात महिला पुरुषों के साथ रात्रि लगभग 9:00 बजे ट्रैक्टर से अवैध रूप से वन भूमि की जुताई कर रहा था इसी बीच गश्ती के दौरान वन भूमि पर जुताई कर रहे स्थल पर पहुंच कर जुताई कर रहे हैं ट्रैक्टर को पकड़ा ही था की अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से ट्रैक्टर ड्राइवर व अज्ञात महिला व पुरुष जंगल की ओर भाग निकले ट्रैक्टर को वन रेंज कार्यालय लाकर वन अधिनियम के विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है तथा वन रेंज में स्थित वन भूमि पर किसी भी तरह का अवैध जुटान, अतिक्रमण, कटान नहीं होने देने के लिए वाचर, दरोगा को सख्त हिदायत दी गई है ट्रैक्टर पकड़े जाने के दौरान वन दरोगा अवधेश कुमार, राहुल कुमार, विवेक कुमार सहित वाचक देवचंद मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

अहान पांडे स्टारर सैयारा का नया गाना धुन हुआ रिलीज, 18 जुलाई को रिलीज होगी फिल्म

रोमांस और मेलोडी का जब भी जिक्र होता है, एक तिकड़ी का नाम अपने आप जहन में आता है अरिजीत सिंह, मिथुन और मोहित सूरी। इस बार फिर से ये म्यूजिकल जादूगर वापस लौटे हैं यशराज फिल्म्स की बहुचर्चित रोमांटिक फिल्म सैयारा के नए गाने धुन के जरिए। यशराज फिल्म्स ने आज धुन को रिलीज करते हुए न केवल एक खूबसूरत गाना पेश किया है, बल्कि एक बार फिर उन जज्बातों को छू लिया है जो आज के श्रोताओं को सीधे दिल तक लगते हैं।

मिथुन और मोहित सूरी की जोड़ी ने दो दशकों में हिंदी सिनेमा को संगीत के कई अनमोल रत्न दिए हैं जहर और कलयुग से लेकर मलंग और अब सैयारा तक। इस लंबे सफर में इन दोनों ने संगीत और सिनेमाई भावनाओं को जिस तरह परोसा है, वह किसी विरासत से कम नहीं।

अब इस जोड़ी के साथ जब अरिजीत सिंह जुड़ते हैं, तो संगीत केवल सुनाई नहीं देता महसूस होता है। धुन में वही भावनाएं, वही जादू और वही सादगी सुनाई देती है, जिसकी वजह से तुम ही हो जैसे गाने आज भी अमर हैं।

सैयारा को लेकर पहले से ही उत्सुकता चरम पर है। यह पहली बार है जब प्रेम कहानियों के दो दिग्गज –यशराज फिल्म्स और मोहित सूरी –एक साथ एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

इस फिल्म में यशराज के नए चेहरों का भी जलवा है अहान पांडे एक रोमांटिक हीरो के रूप में डेब्यू कर रहे हैं, जबकि अनीत पड्डा, जो वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में अपने अभिनय से चर्चा में आई थीं, वायआरएफ की अगली लीडिंग लेडी के रूप में उभर रही हैं।

धुन महज एक गाना नहीं, बल्कि एक एहसास है। इसमें अरिजीत की भावुक आवाज, मिथुन की सादगी भरी मेलोडी और मोहित सूरी की विजन –तीनों का सुंदर संगम है।

यह गाना यूट्यूब, म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुका है, और दर्शकों के बीच जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है।

सैयारा को 18 जुलाई 2025 को दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। 50 सालों से रोमांटिक सिनेमा में यशराज का जो योगदान रहा है, और मोहित सूरी की दो दशक की फिल्मी यात्रा –दोनों को यह फिल्म एक खास मुकाम देने वाली है।

गुरु रंधावा के साथ काम करना मतलब एकदम कातिल तजुर्बा था: रेवती माहुरकर

100 मिलियन व्यूज पार कर चुकी म्यूजिक वीडियो कत्ल के साथ, डेब्यूटांट रेवती माहुरकर इन दिनों फैंस और इंडस्ट्री दोनों से खूब वाहवाही बटोर रही हैं। उनकी परफॉर्मेंस को जहां दो इमोशन और ग्रेस के लिए सराहा जा रहा है, वहीं रेवती खुद इस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हैं कि उन्हें म्यूजिक सुपरस्टार गुरु रंधावा के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला जिसे वो अपना करियर–डिफाइनिंग मोमेंट मानती हैं। सेट के अनुभव को याद करते हुए रेवती ने कहा, गुरु इतने सपोर्टिव और डाउन–टू–अर्थ हैं कि पहले दिन से ही ऐसा लगा जैसे किसी पुराने दोस्त के साथ शूट कर रही हूं। उनका एनर्जी और ईज के साथ परफॉर्म करना इतना इंस्पायरिंग था कि मेरी भी बेस्ट परफॉर्मेंस वहीं निकल गई।

बॉस्को मार्टिस द्वारा डायरेक्ट और वार्नर म्यूजिक द्वारा रिलीज

किया गया ये गाना एक फ्यूचरिस्टिक, डार्क डांस नंबर है जिसमें विजुअल ड्रामा और इमोशन की पूरी बारात है। रेवती ने इसमें एक मिस्ट्री भरे और बोल्ड कैरेक्टर को जिस अंदाज में निभाया है, वो वीडियो को और भी खास बना देता है। थिएटर और डांस की दुनिया से निकलकर ये रेवती की डिजिटल दुनिया में बड़ी छलांग है और इसके लिए वो गुरु रंधावा और पूरी टीम को क्रेडिट देती हैं। इन लोगों ने इस पूरे सफर को इतना स्मूद और क्रिएटिवली मजेदार बना दिया कि लगा ही नहीं मैं न्यूकमर हूं!

कार्यालय : नगर पंचायत- भारत भारी, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा सूचना

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत भारत भारी, जनपद–सिद्धार्थनगर में राज्य वित्त आयोग/निकाय निधि के अन्तर्गत जनहित को देखते हुए निम्नलिखित निर्माण कार्य कराया जाना आवश्यक है। ठेकेदारों/फर्मो से मुहरबन्द निविदा दिनांक 30/07/2025 को नगर पंचायत भारत भारी कार्यालय पर निम्न शर्तों के अधीन समय अपरान्ह 12:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है, जो उसी दिनांक को धनराशि रूपये 05 लाख से अधिक की निविदा समय अपरान्ह 02:00 बजे जिलाधिकारी कार्यालय के एल०बी०सी० पटल पर उपस्थित निविदादाताओं व अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) महोदय के समक्ष व रूपये 05 लाख से कम की निविदा नगर पंचायत कार्यालय भारत भारी पर उपस्थित निविदादाताओं व अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष महोदय के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र निर्धारित मूल्य अदा करके दिनांक 29/07/2025 तक अपरान्ह 04:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। उपरोक्त निविदा पर किसी भी विभाग/संस्था/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति नगर पंचायत भारत भारी कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। इसके उपरान्त उपरोक्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। निविदा शर्तों व अन्य के सम्बन्ध में निविदादाता कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यों का विवरण

राज्य वित्त आयोग/निकाय निधि योजना

क्र0सं0	कार्य का विवरण	आगणन की धनराशि (लाख रू0 में)	2 प्रतिशत अर्नेस्टमनी की धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1 2	नगर पंचायत कार्यालय भारत भारी के सभागार कक्ष में पी०वी०सी० एवं सीलिंग, इलेक्ट्रिक व अन्य निर्माण/आपूर्ति/अधिष्ठापन का कार्य।	9.98	20000.00	1000.0	
3 4	नगर पंचायत कार्यालय भारत भारी के अध्यक्ष कक्ष में पी०वी०सी० एवं सीलिंग, इलेक्ट्रिक व अन्य निर्माण/आपूर्ति/अधिष्ठापन का कार्य।	4.98	10000.00	500.00	कार्यादेश से एक माह के भीतर
5	नगर पंचायत कार्यालय भारत भारी के अधिशासी अधिकारी कक्ष में पी०वी०सी० एवं सीलिंग, इलेक्ट्रिक व अन्य निर्माण/आपूर्ति/अधिष्ठापन का कार्य।	4.97	10000.00	500.00	

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत भारत भारी
जनपद– सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत भारत भारी
जनपद– सिद्धार्थनगर

पत्रांक : 275/न०पं०भा०भा०/निविदा/2025–26 । दिनांक : 11/12/2025

विग्नेश राजा की फिल्म से धनुष की पहली झलक आई सामने, शुरू हो गई शूटिंग

अभिनेता धनुष को पिछली बार फिल्म कुबेर में देखा गया था, जिसमें उन्होंने एक

भिखारी की भूमिका निभाई थी। फिल्म में धनुष के काम को काफी सराहा गया था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। आने वाले समय में धनुष कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आएंगे। इन्हीं में एक निर्देशक विग्नेश राजा की फिल्म भी है, जिसका अस्थायी नाम फिलहाल डी54 रखा गया है। अब डी54 से धनुष की पहली झलक सामने आ गई है।

सामने आए पोस्टर में धनुष का धांसू अवतार दिख रहा है। निर्माताओं ने लिखा, कभी–कभी खतरनाक बने रहना ही जीवित रहने का एकमात्र तरीका होता है।

धनुष ने पोर थोझिल फेम विग्नेश राजा द्वारा निर्देशित इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में ममिथा बैजू मुख्य भूमिका में हैं, जबकि जयराम, केएस रविकुमार, सूरज वेंजरामूडु, करुणास और पृथ्वी पांडियाराज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

जीवी प्रकाश कुमार इस फिल्म का संगीत तैयार कर रहे हैं, जबकि डॉ. ईशारी के. गणेश द्वारा वेल्स फिल्म इंटरनेशनल के बैनर तले थिंक स्टूडियोज के सहयोग से निर्मित इस फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा धनुष के पास फिल्म इडली कढ़ाई है, जो 1 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। धनुष फिल्म तेरे इश्क में में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान आनंद एल राय ने संभाली है। इसमें उनकी जोड़ी कृति सैनन के साथ बनी है।

घर पर खुद से करें थ्रेडिंग, जानिए इसके लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्रियां और प्रक्रिया

आमतौर पर महिलाएं थ्रेडिंग के लिए ब्यूटी पार्लर जाती हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि इसे आप घर पर खुद से भी कर सकती हैं। इसके लिए आपको केवल कुछ आसान स्टेप्स फॉलो करने होंगे। थ्रेडिंग से न केवल आपकी आइब्रो को सही आकार देती है, बल्कि यह प्रक्रिया कम समय लेती है और इससे दर्द भी कम होता है। आइए आज हम आपको थ्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्रियां और इसे करने की प्रक्रिया बताते हैं।

थ्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्रियां थ्रेडिंग के लिए आपको एक पतला और मजबूत धागा चाहिए। इसके अलावा आपको एक पेंसिल, बर्फ का टुकड़ा, बेबी पाउडर, एलोवेरा जेल और काजल की जरूरत पड़ेगी। पेंसिल से अपनी आइब्रो का आकार बनाएं, बर्फ का टुकड़ा से त्वचा को ठंडा करें, बेबी पाउडर लगाएं ताकि दर्द कम हो, एलोवेरा जेल लगाकर आंखों को ठंडक मिलेगी। इसलिए ये सामान अपने पास जरूर रखें।

थ्रेडिंग करने से पहले त्वचा को करें ठंडा थ्रेडिंग करने से पहले अपनी त्वचा को ठंडा करना जरूरी है। इसके लिए आप बर्फ का टुकड़ा का इस्तेमाल कर सकते हैं। बर्फ का टुकड़ा को अपनी आइब्रो पर कुछ सेकंड के लिए रखें। यह प्रक्रिया त्वचा को आराम देती है और दर्द को कम करती है। इससे त्वचा की संवेदनशीलता भी कम होती है, जिससे थ्रेडिंग के दौरान आपको कम दर्द होगा। इसके अलावा यह त्वचा को ताजगी भी महसूस कराता है।

बेबी पाउडर लगाएं बेबी पाउडर लगाने से आपकी त्वचा की सतह मुलायम हो जाती है, जिससे बाल आसानी से निकल जाते हैं। इसके लिए थोड़े से बेबी पाउडर को अपनी आइब्रो पर हल्के हाथों से लगाएं। इससे बालों को निकालना आसान हो जाएगा और दर्द भी कम होगा। बेबी पाउडर लगाने से त्वचा की संवेदनशीलता भी कम होती है, जिससे थ्रेडिंग के दौरान आपको कम दर्द होगा। यह प्रक्रिया त्वचा को आराम देती है और उसे ताजगी भी महसूस कराती है।

धागे को सही तरीके से बांधना सीखें

धागे को सही तरीके से बांधना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए आपको दो धागों को एक साथ बांधकर एक लूप बनाना होगा। इस लूप को अपनी उंगलियों के बीच घुमाते हुए दोनों हाथों की मदद से थ्रेडिंग करनी होती है। ध्यान रखें कि धागा बहुत कसा हुआ नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे दर्द होगा और त्वचा पर चोट लग सकती है। थोड़ी प्रैक्टिस के बाद आप इसे आसानी से कर पाएंगे।

एलोवेरा जेल लगाएं थ्रेडिंग के बाद एलोवेरा जेल लगाना बहुत फायदेमंद होता है। यह जेल त्वचा को ठंडक देता है और सूजन कम करता है। इसके अलावा यह त्वचा को नमी देता है और रूखेपन से बचाता है। एलोवेरा जेल में ऐसे गुण होते हैं, जो त्वचा को आराम पहुंचाते हैं। इसके नियमित उपयोग से त्वचा की नमी बनी रहती है और वह मुलायम महसूस होती है। इससे थ्रेडिंग के बाद की जलन भी कम होती है।